श्री कृष्ण जन्माष्टमी (26 अगस्त)की हार्दिक शुभकामनाएं...

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार

अतीत से सबक लेकर
आगे बढ़ने वाला कभी
हार नहीं मानता।

वर्ष -15, अंक - 20 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 23 से 29 अगस्त 2024 | पृष्ठ-8, मूल्य -रू.3.00

नन्हें-मुन्ने बच्चों की कृष्ण-राधा वेशभूषा ने किया आकर्षित

कोरबा (दिव्य आकाश)।

शनिवार को लर्निंग कैसल स्कूल निहारिका में जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया, जिसमें सभी नन्हे-मुन्ने बच्चे श्री कृष्ण और राधा जी की वेशभूषा में नजर आए। बच्चों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। स्कूल के डायरेक्टर विजय देवांगन ने बताया कि बच्चों के अभिभावकों में जन्माष्टमी को लेकर काफी उत्साह दिखा। लर्निंग कैसल स्कूल भविष्य में भी ऐसे कई कार्यक्रम आयोजित करेगा जिससे बच्चों के बौद्धिक और सर्वांगीण विकास में मदद मिल सके।

स्टेडियम रोड की दुकानों की दयनीय, निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर आक्रोश

कोरबा (दिव्य आकाश)।

ट्रांसपोर्ट नगर स्थित स्टेडियम रोड में स्थित दुकान की स्थिति दयनीय हालत में है। ना तो क्षेत्र के जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान दे रहे हैं और न ही नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी। एक दुकानदार ने हमारे संवाददाता को बताया कि स्थिति इतनी खराब है कि हमारी दुकानों में पूरा पानी सीपेज से छत भी गिर रही है एवं दुकान के सामने पूरा कीचड़ से लथपथ हो गया है। इस दुर्गति के कारण हमारा काम-काज ठप्प सा पड़ गया है। एक दूसरे दूकानदार ने बताया नल की भी सुविधा नहीं है एवं साफ सफाई भी नहीं होती है, जिसके कारण बदबू से क्षेत्रवासी परेशान हैं। परिणाम स्वरुप आने जाने वाले ग्राहकों ने भी हमारी दुकानों में आना छोड़ दिया है। राजेश अग्रवाल ने बताया कि स्थिति यहां तक आ गई है कि हम दुकानों का किराया भी नहीं पटा पा रहे हैं, वहीं आए दिन हम नगर निगम अधिकारियों को शिकायत करते रहते है, लेकिन इस समस्या का हल अभी तक नहीं हुआ है। हम हर महीने नगर निगम को जो निर्धारित टैक्स भी समय पर पटाते हैं, लेकिन निगम प्रशासन निद्रा में सोया है।

चीन को टक्कर: भारत ने अफ्रीका से यूरोप तक बढ़ाई डिफेंस पावर, 10 देशों में की अटैच की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत ने चीन को टक्कर देने के लिए अफ्रीका से यूरोप तक अपनी डिफेंस पावर का विस्तार किया है। इसी के तहत पोलैंड सहित 10 देशों में भारत ने अपने डिफेंस विंग की शुरुआत की है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब पोलैंड पहुंचे, तो वहां उनका स्वागत करने वालों में भारतीय सेना के ब्रिगेडियर सतीश त्रिवेदी भी शामिल थे। ब्रिगेडियर त्रिवेदी ने हाल ही में पोलैंड में डिफेंस अताशे (रक्षा अधिकारी) के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाली है। यह भारत के लिए खास इसलिए भी है क्योंकि कई सालों बाद पोलैंड में भारत की डिफेंस विंग की फिर से शुरुआत हुई है।

भारत ने हाल के महीनों में 10 नए देशों में डिफेंस विंग स्थापित की है, जहां डिफेंस अताशे तैनात किए गए हैं। इन देशों में अफ्रीका के कई देश शामिल हैं जैसे अल्जीरिया, जिबूती, आइवरी कोस्ट, मोजाम्बिक, इथियोपिया, तंजानिया और अन्य देश जैसे स्पेन, अरमीनिया, और पोलैंड। इन देशों में भारतीय सेना, नौसेना, और वायुसेना के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। डिफेंस अताशे ऐसे मिलिट्री एक्सपर्ट होते हैं, जो उन देशों में भारतीय दूतावास के साथ काम करते हैं और वहां की रक्षा और सैन्य मामलों में सलाह देते हैं। ये अधिकारी जॉइंट

मिलिट्री एक्सरसाइज, ट्रेनिंग, और मिलिट्री तकनीक के आदान-प्रदान जैसे कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। इससे भारत की डिफेंस डिप्लोमेसी को वैश्विक स्तर पर मजबूती मिलती है और दूसरे देशों के साथ भारत के संबंध बेहतर होते हैं।

रक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए, भारत भी अपनी रक्षा रणनीति को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। चीन की तरह, भारत भी विभिन्न देशों में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है ताकि ये दिखाया जा सके कि भारत भी दूसरे देशों के साथ मजबूत संबंध बनाना चाहता है। भारत ने इन नई डिफेंस विंग्स के माध्यम से भविष्य में किसी भी संभावित ऑपरेशन के लिए खुद को तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। इसके अलावा, भारत इन देशों को स्वदेशी सैन्य उपकरण, जैसे कि तेजस फाइटर जेट, रॉकेट लॉन्चर सिस्टम, ब्रह्मोस मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम, एक्सपोर्ट करने की कोशिश भी कर रहा है। इससे न केवल भारत की सैन्य ताकत बढ़ेगी, बल्कि उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा भी मजबूत होगी। भारत की यह नई डिफेंस डिप्लोमेसी न सिर्फ उसकी सैन्य क्षमताओं को बढ़ावा देगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी स्थिति को भी और मजबूती देगी।

25 साल नौकरी करने पर मिलेगी पूरी पेंशन

मोदी सरकार ने Unified Pension Scheme को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शनिवार को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत सेवा में शामिल होने वाले 23 लाख सरकारी कर्मचारियों के लिए सुनिश्चित रूप से वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में देने को मंजूरी दे दी। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली एक अप्रैल, 2004 के बाद सेवा में शामिल होने वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू है। यह पेंशन योजना, एनपीएस से पहले के कर्मचारियों के लिए लागू परिभाषित लाभ के बजाय योगदान के आधार पर लाभ देती है।

मंत्रिमंडल के फैसलों की घोषणा करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत सरकारी कर्मचारी अब सेवानिवृत्ति से पहले अंतिम 12 महीनों में मिले औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में पाने के हकदार होंगे। उन्होंने कहा कि पेंशन के रूप में वेतन का 50 प्रतिशत पाने के लिए न्यूनतम सेवा अवधि 25 वर्ष होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हालांकि न्यूनतम 10 साल तक की सेवा

अवधि के लिए आनुपातिक रूप से पेंशन दी जाएगी। एनपीएस खाताधारक अब यूपीएस का विकल्प चुन सकते हैं, जो अगले वित्त वर्ष की शुरुआत से सुनिश्चित पेंशन देगी। पिछले साल, वित्त मंत्रालय ने सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन योजना की समीक्षा करने और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के मौजूदा ढांचे में किसी बदलाव का सुझाव देने के लिए वित्त सचिव टी वी सोमनाथन की अध्यक्षता में एक समिति गठित की थी। कई गैर-भाजपा शासित राज्यों ने महंगाई भत्ते से जुड़ी पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को वापस अपनाने का फैसला किया है और कुछ अन्य राज्यों में भी कर्मचारी संगठनों ने इसकी मांग उठाई है। कैबिनेट सचिव मनोनीत टी वी सोमनाथन ने कहा कि नई योजना एक अप्रैल, 2025 से लागू है।

कोरबा जिले में भारी बारिश से बांगो बांध लबालब : दर्री डैम का तीन गेट खुला हसदेव में बाढ़, निचली बस्तियों में भरा पानी

हांफने लगा हसदेव, निचली बस्तियां जलमग्न, गेट नम्बर 3, 6 और 7 से छोड़ा जा रहा 22720 क्यूसेक पर सेकेंड पानी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा में लगातार हो रही बारिश के चलते कोरबा जिले सीतामढ़ी की निचली बस्तियों में बाढ़ का पानी घुस गया है। यहां तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से हसदेव नदी में बाढ़ आ गई है। दर्री बांध से जल का भराव कम करने के लिए यहाँ से अधिक मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे सीतामणी में नदी किनारे बसी बस्तियों में बाढ़ आ गयी है। यहाँ से लोग अपने घर से निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि अचानक से हसदेव नदी का जलस्तर बढ़ गया, जहां देखते ही देखते घर डूबने लगे। कुछ लोग घर छोड़कर भाग गए, वहीं कुछ लोग सामान दूसरी जगह शिफ्ट करने लगे। दर्री डेम से बिना सूचना के अचानक पानी छोड़े जाने से कई निचली बस्तियों में पानी भर गया और बस्तियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। सीतामणी इलाके के आधा दर्शन मकान इसकी चपेट में आ गए हैं।

कोरबा के सीतामणी चौक के सामने बसी बस्ती में हालात बिगड़ने लगे हैं। बस्ती में नदी का पानी घुस गया है, जिससे कई घर डूब गए हैं। सुबह 12 बजे आयी बाढ़ की

चित्र में दिख रही तस्वीर सीतामणी बस्ती की है, जहां पर दर्री डेम का तीन गेट खुलने के बाद हसदेव में बाढ़ आ गई और बाढ़ का पानी बस्ती में घुस गया।

जानकारी जैसे ही लोगों को हुई, वैसे ही बस्ती में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने में जुट गए।

बांध से पानी छोड़े जाने को लेकर जिस तरह से बाढ़ की स्थिती निर्मित हुई है, उसे लेकर क्षेत्रीय पार्षद ने प्रशासन की भूमिका को सवालों के घेरे में खड़े किया है। उनका कहना है कि बिना सूचना दिए बांध से नदी में पानी छोड़ दिया गया, जिससे लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला।

कोरबा जिले के एक छोर पर स्थित बांगो बांध के जलस्तर में 95 फीसदी भराव होने के कारण दर्री बांध का पानी भी खतरे के निशान तक पहुंच गया है। यही वजह है कि यहां के तीन गेट खोलकर हजारों क्यूसेक पानी हसदेव नदी में छोड़ा जा रहा है। दो गेट में से एक गेट से चार फीट वही दूसरे गेट पांच फीट पानी छोड़ा गया है। बाढ़ के खतरे को देखते प्रशासन की ओर से बस्ती में जाकर किसी प्रकार की जानकारी सूचना नहीं दी गई है, न ही अलर्ट जारी किया गया है और न ही रेस्क्यू टीम भेजी गई है।

देवबंद में बच्चों को ले जा रही स्कूल बस पर फायरिंग, 20 छात्र थे सवार; बदमाश फरार

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के देवबंद में छुटटी के बाद बच्चों को उनके घर छोड़ने जा रही एक स्कूल बस पर एक व्यक्ति ने अपने साथियों के साथ मिलकर गोली चला दी लेकिन कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने यह जानकारी दी। बस चालक ने इस मामले में थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने इस तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया है और तीन टीम का गठन भी किया है।

एसपी ग्रामीण सागर जैन ने बताया कि राजमार्ग 59 पर स्थित एक स्कूल का बस

चालक रवि कुमार आज छुटटी के बाद बच्चों को छोड़ने जा रहा था और जब बस राजबाहे के निकट पहुंची तब कुछ युवकों ने उसे रोकने का प्रयास किया। जैन ने बताया कि चालक ने खतरे की आशंका को देखते हुए बस को नहीं रोका जिस पर इन युवकों ने बस पर गोलियां चला दीं। उनके अनुसार गोलीबारी के फलस्वरूप बस में सवार बच्चों मे दहशत फैल गई।

एसपी ने बताया कि चालक बस को तेजी से निकालकर ग्राम दिवालहेडी तक ले गया और इस बीच बदमाश भी फरार हो गई। उन्होंने ने बताया कि गोलियां चलाने वाले एक युवक की पहचान कर ली गयी तथा तीन टीम गठन की गयी हैं। पुलिस अधीक्षक का कहना है कि बदमाशों ने एक छात्र को निशाना बनाते हुए ये गोलियां चलाई थीं। जैन ने बताया कि बस में सवार सभी विद्यार्थी पूरी तरह सुरक्षित हैं, किसी को किसी तरह की चोट नही लगी है।

2026 तक नक्सल समस्या से मुक्त हो जाएगा देश, उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई अंतिम चरण पर- अमित शाह

रायपुर (एजेंसी)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि वामपंथ उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई अब अंतिम चरण में है तथा मार्च 2026 तक देश नक्सल समस्या से मुक्त हो जाएगा। शाह शनिवार को नवा रायपुर के एक होटल में नक्सल प्रभावित राज्यों की अंतरराज्यीय समन्वय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि वामपंथ उग्रवाद की समस्या पर एक मजबूत रणनीति के साथ अंतिम प्रहार किया जाए। उन्होंने कहा, हम सब का मानना है कि वामपंथ उग्रवाद हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। विगत चार दशक में वामपंथ उग्रवाद के कारण लगभग 17 हजार जानें गई हैं, चाहे वे नक्सल आंदोलन से जुड़े युवा हों, सुरक्षाबल के जवान हों या आम नागरिक हों।

शाह ने कहा कि जब से देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है तब से इस समस्या को चुनौती के रूप में स्वीकार किया गया है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सुरक्षाबल के जवान इस समस्या से निपट रहे हैं, साथ ही उन क्षेत्र में विकास के काम भी किए जा रहे हैं। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में नक्सल घटनाओं और मृत्यु में कमी आने का दावा किया तथा कहा कि यह लड़ाई अंतिम चरण में पहुंच गयी है एवं सरकार देश को मार्च, 2026 तक पूरी तरह से नक्सल समस्या से मुक्त कर पायेगी। उन्होंने नक्सलवाद से जुड़े सभी युवाओं से हथियार छोड़ने का अनुरोध किया और कहा, भारत सरकार इस क्षेत्र के विकास के लिए कटिबद्ध है। भारत सरकार आपके (क्षेत्र की जनता जिनमें नक्सली भी शामिल हैं) विकास के लिए कटिबद्ध है, आपके परिवार के लिए विकास के लिए कटिबद्ध है। नई आत्मसमर्पण नीति को आप अच्छा प्रतिसाद दीजिए, हथियार छोड़िए, मोदी जी के नेतृत्व में विकास का रथ चल पड़ा है, नए युग का आगाज हुआ है, उसे मजबूती दीजिए। कश्मीर में विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस के बीच समझौते को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में शाह ने कहा कि उन्होंने विपक्षी दल कांग्रेस से पूछा है कि क्या वह नेशनल कांफ्रेंस के राज्य के लिए अलग झंडे लाने की मांग से सहमत हैं। शाह ने कहा कि उनका कांग्रेस से प्रश्न है कि क्या वह अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग से सहमत है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के चले जाने के बाद कश्मीर में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को जो आरक्षण मिला है उसे समाप्त करने की जो बात है क्या कांग्रेस उससे सहमत है। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 की समाप्ति को लेकर पूछे गए सवाल पर शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 हमारे संविधान से जा चुका है और भविष्य में भी संविधान में इसके लिए कोई जगह नहीं है। देश में जनगणना शुरू होने की संभावना पर शाह ने कहा कि यह उचित समय पर किया जाएगा।

सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस

जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...

एलआईसी का
जीवन उत्सव

उत्सव
मनाने का
गारंटीड तरीका

Plan No.: 871 UIN: 512N363V01

आजीवन गारंटीड रिटर्न
के साथ

ऑनलाइन भी उपलब्ध

पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प

- सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
- प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
- नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
- न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख

एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना

एलआईसी है तो कहीं
और क्यों जाना...

सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-

सालिक राम राजवाड़े
(बीमा अभिकर्ता)
वेदांत बीमा सेवा केंद्र
कार्यालय : प्रेस क्लब तिलक भवन के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
निवास : सत्यनारायण मंदिर के पास, पोड़ी बहार कोरबा, मो.नं.-90987-52955

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

श्री कृष्ण जन्माष्टमी (26 अगस्त)की हार्दिक शुभकामनाएं...

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 23 से 29 अगस्त 2024

सुविचार

अतीत से सबक लेकर आगे बढ़ने वाला कभी हार नहीं मानता।

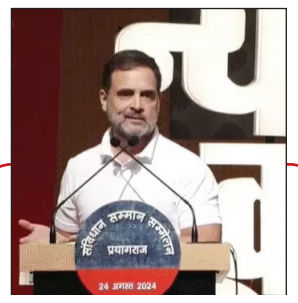

राहुल बोले-शहंशाह वाला मॉडल चाह रहे थे पीएम मोदी

प्रयागराज, एजेंसी।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि मोदीजी राजा, महाराजा, शहंशाह वाला मॉडल चलाना चाह रहे थे। मैंने मोदी जी को संविधान माथे पर लगाने के लिए मजबूर कर दिया। लेकिन बता दूं कि बीजेपी को मैं अपना गुरु मानता हूं। उन्होंने मुझे क्या करना है, क्या नहीं करना है, सिखाया। राहुल करीब 40 मिनट बोले। उन्होंने कहा, धोबी, मोची और बढ़ई का देशभर में नेटवर्क है। इनके हाथों में जबरदस्त स्किल और ताकत है। इनसे हाथ मिलने से ही हवा निकल जाती है। राहुल शनिवार, 24 अगस्त को प्रयागराज पहुंचे और 'संविधान का सम्मान और उसकी रक्षा कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने, सुल्तानपुर के मोची रामचैत की कहानी सुनाई। बताया कि उनके हाथों में जबरदस्त हुनर है। वे 40 सालों से मोची का काम कर रहे हैं। लेकिन, उनका कोई सम्मान नहीं करता है। राहुल ने कहा, मोदी जी को मैंने सुना आधा घंटा बोले। उनसे मैंने सवाल पूछा। आप आईटीआई में बढ़ई तैयार कर रहे हो। देश में लाखों बढ़ई हैं, उनसे आप क्यों नहीं तैयार करवा रहे हो। आपको नाई तैयार करना है तो यूपी के नाई से बोल दीजिए वो अपने दुकान में नाई की ट्रेनिंग दे देगा।

देवेंद्र की गिरफ्तारी के खिलाफ पूरे छत्तीसगढ़ में प्रदर्शन:दीपक बैज बोले- सीएम और गृहमंत्री का हो नार्को टेस्ट

रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने बलौदाबाजार हिंसा मामले में देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदेशभर में प्रदर्शन किया। शनिवार को रायपुर में दीपक बैज ने इस मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की। बैज ने ये भी कहा है कि कांग्रेसी भी नार्को टेस्ट कराने के लिए तैयार हैं। लेकिन सीएम और गृहमंत्री का भी नार्को टेस्ट हो।

बैज ने कहा है कि जब तक हिंसा मामले में दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती, तब तक कांग्रेस का प्रदर्शन जारी रहेगा। छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में कांग्रेस के कार्यकर्ता साय सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे । प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में कांग्रेस का प्रदर्शन हुआ।

देवेंद्र सिर्फ कांग्रेस लीडर हैं, इसलिए गिरफ्तारी हुई- कांग्रेस

कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के विरोध में सरगुजा कांग्रेस द्वारा गांधी चौक में धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शन में कांग्रेस प्रदेश सचिव शफी अहमद, नगर निगम सभापति अजय अग्रवाल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता सहित प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं।

कांग्रेस प्रदेश सचिव शफी अहमद ने कहा कि भाजपा संवैधानिक ढांचे को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। जिस तरह से देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी हुई है, वे न तो मंच में बैठे थे और न ही उन्होंने किसी को भड़काया था।

देवेंद्र सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लीडर हैं, इसलिए उनकी गिरफ्तारी की गई। शफी अहमद ने कहा कि भाजपा की जहां सरकारें हैं, निष्पक्ष तरीके से भाजपा काम करेगी तो कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री आज जेल में होते। देशभर में पक्षपात पूर्वक गकांग्रेस को कमजोर करने का काम किया जा रहा है।

बैज बोले- भाजपा नेताओं का नार्को टेस्ट हो

छत्तीसगढ़ कांग्रेस बलौदाबाजार हिंसा मामले में देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन कर रही है। रायपुर में दीपक बैज ने मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। बैज ने ये भी कहा है कि कांग्रेसी नार्को टेस्ट कराने के लिए भी तैयार हैं। लेकिन सीएम और गृहमंत्री का भी नार्को टेस्ट हो। बैज कहा है कि जब तक हिंसा, मामले में दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती तब तक कांग्रेस का प्रदर्शन जारी रहेगा।

रायगढ़ में बारिश के बीच कांग्रेस का प्रदर्शन

रायगढ़ के महात्मा गांधी चौक पर बारिश के बीच कांग्रेस का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन जारी है। सभी देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे है। धरना प्रदर्शन में पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के साथ पूर्व विधायक प्रकाश नायक, महापौर जानकी काटजू, पूर्व विधायक हृदय राम राठिया सहित कई कांग्रेसी मौजूद हैं।

कोंडागांव के जयस्तंभ चौक पर बड़ी संख्या में कांग्रेसी जुटे हैं। देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी का विरोध किया जा रहा है। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के मुताबिक भाजपा जबरन प्रकरण बना कर कांग्रेसियों को जेल भेज रही है। पत्रकार जो समाज को सच का आइना दिखाते हैं उनके खिलाफ भी फर्जी प्रकरण बना कर उन्हें जेल भेज रहे हैं।

एजुकेशन हब की टीम ने पीडब्ल्युडी स्कूल में किया सेमीनार का आयोजन

कोरबा (दिव्य आकाश)। एजुकेशन हब की टीम ने पीडब्ल्यूडी रामपुर, कोरबा में सेमिनार का आयोजन किया, जिसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी शामिल हुए । विद्यार्थियों को भविष्य में करियर के लिए क्या करना है, आगे किस तरह पढ़ाई करनी है, इस पर संस्था के डायरेक्टर धनंजय चतुर्वेदी,डायरेक्टर सौमित पाल ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। विद्यार्थियों ने सवाल भी पूछे और टीम ने उनकी जिज्ञासा शांत की। इस अवसर पर शिक्षिका भारती भारद्वाज एवं स्कूल के प्राचार्य तथा स्टाफ के अन्य लोग उपस्थित थे।

विधायक देवेन्द्र यादव की गिरफ्तारी के खिलाफ कोरबा कांग्रेस का धरना प्रदर्शन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार कोरबा जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में शनिवार को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार राजनैतिक द्वेष रखते हुए कांग्रेस पदाधिकारियों पर बेवजह विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार करवाया गया, जिसके विरोध में टी पी नगर चौक कोरबा में कांग्रेसजनों के साथ एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया।

बारिश के बीच धरना प्रदर्शन के जिला प्रभारी कोरबा सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत धरना स्थल पहुंची और संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को बेवजह परेशान किया जा रहा है। प्रदेश की भाजपा सरकार न्याय संगत कार्यवाही करने के बजाय अलोकतांत्रिक तरीके से कार्यवाही करवा रही है।

पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर ने कहा कि इस प्रकार के अनैतिक कार्यवाही से कांग्रेसजन डरने वाले नहीं है बल्कि कांग्रेस के कार्यकर्ता और भी मजबूती से जनता की आवाज उठायेंगे।

निगम सभापति श्याम सुंदर सोनी ने कहा कि बलौदाबाजार कलेक्ट्रेट में हुए हिंसा मामले में कौन दोषी है, इस पर अनेकों सवाल उठ रहे है। छ0ग0 प्रदेश के अलावा अन्य प्रदेशों से आये लोग कौन थे? सरकार ने उन पर नजर क्यों नहीं रखा। वहीं लोगों को कलेक्ट्रेट तक क्यों जाने दिया गया। जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष हरीश परसाई ने प्रदेश में जब से भाजपा की सरकार स्थापित हुई है तभी से चुन चुन कर कांग्रेस पदाधिकारियों को,पूर्व मुख्यमंत्री आदि को परेशान करने का कार्य कर रही है।

इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष संतोष राठौर, दुष्यंत शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश सहगल, नारायण लाल कुर्रे, रवि खुंटे, मनबोध दास महंत, भगवती गोस्वाती, तुलेश गोस्वामी, संतोष सूर्या, एकारेन्द्र कुमार मार्या, वीरेन्द्र चंदन, पंचराम रात्रे, निरंजन श्रीवास, प्रभात सोनवानी, प्रदीप बन्दे, मनमोहन राठौर, जयकिशन, प्रवीण ओगरे, इब्राहिम फारूकी, लाजेश्वर गबेल, आशिष गुप्ता, आरिफ खान, अनवर रजा, शहनाज खान, साहिल राठौर, सागा केंवट, पूजा महंत, सावित्रि चौहान, गीता बड़ा, टीकाराम मनहर, फिरोज अनंत, गजानंद प्रसाद साहू, प्रेमलाल साहू, गणेश दास महंत, रामशरण सिंह कंवर, नीलिका लखन लहरे, लक्ष्मी अग्रवाल, सत्या कंवर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

लोकसदन एवं प्रगतिशील लेखक संघ का संयुक्त आयोजन

श्री रमेश पासवान पत्रकारिता सम्मान

श्री युधिष्ठिर राजवाड़े, संपादक - दिव्य आकाश (हि/सा.)

को दिए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं...

युधिष्ठिर राजवाड़े को सम्मान पत्र देते कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार मा. श्री विकास जोशी जी, संपादक- राष्ट्रीय धर्म ऊर्जा, मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार मा. किशोर शर्मा जी, संपादक - छत्तीसगढ़ गौरव, कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ठ पत्रकार सुरेश रोहरा जी, संपादक-लोकसदन, कार्यक्रम के मार्गदर्शक - वरिष्ठ पत्रकार सनंद दास दीवान, प्रगतिशील लेखक संघ के संरक्षक श्री शिव शंकर अग्रवाल, श्रीमती वीणा मैत्री, सचिव- श्री अरविंद पाण्डेय, श्री बनाफर, कमल सरविद्या सहित अन्य विभूतिजन।

डॉ. गजेंद्र तिवारी

शिक्षाविद्/प्राचार्य

एवं कैरियर काऊंसलर

कल्पना फाउंडेशन द्वारा नर्सरी से लेकर 12वीं तक छात्रों की निःशुल्क शिक्षा

Affiliated to CGBSE Code no. 332092

छत्तीसगढ़ पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल पाली

नर्सरी से 12वीं तक (अंग्रेजी/हिन्दी माध्यम) शिक्षा! संस्कार!! प्रतिभा विकास!!! कैरियर मार्गदर्शन

बीईओ कार्यालय के सामने पाली, जिला - कोरबा (छ.ग.) मो. 94241-50282, 70897-41587 (का.)

सुविचार

संघर्ष प्रगति का आमंत्रण है, जो इसे स्वीकारता है, उसका जीवन निखर जाता है।

सरोकार

युद्ध से किसी का भला नहीं होने वाला

यह तस्वीर बहुत खास है। मोदी यूक्रेन पहुंचे और राजधानी कीव पहुंचकर राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात कर कहा कि मैं शांतिदूत बनकर आया हूं। रूस के राष्ट्रपति पुतिन से हुई बात के बारे में मोदी ने जेलेंस्की से वार्ता की और कहा कि युद्ध से हमारी नई पीढ़ी बर्बाद होगी और युद्ध से किसी का भला नहीं होने वाला। युद्ध में मारे गए बच्चों की प्रदर्शनी देखकर मोदी और जेलेंस्की काफी भावुक हो गए और मोदी ने कहा कि युद्ध विश्व की तबाही ही ला सकता है और हमारे वर्षों के विकास को तबाह कर देगा। जनहानि से पूरी दुनिया पीड़ित है, इसलिए युद्ध का रूकना जरूरी है। मोदी ने जेलेंस्की को गले भी लगाया।

संपादक

कैसे हुई थी भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग लगाने की शुरुआत

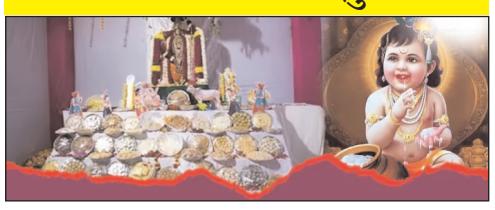

इस वर्ष 26 अगस्त को कृष्ण जन्माष्टमी के पर्व पर पूरे देश में धूम रहेगी। कई अच्छे संयोग इस त्यौहार में पड़ रहे हैं। भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग लगाने की प्रथा सदियों से चली आ रही है। 56 भोग की थाली का संस्कृति महत्व तो है ही, लेकिन यह धार्मिक लिहाज से भी बेहद खास है। बदलते दौर के साथ इस थाली को स्थानीय व्यंजनों के हिसाब से तैयार किया जाने लगा है, जो भारतीय भोजन के प्रति लोगों के अगाध प्रेम और सौंदर्य का प्रतीक है। इन्हीं कुछ बातों को ध्यान में रखते हुए भगवान कृष्ण के लिए 56 भोग की थाली तैयार की जाती है जिसमें मीठे, नमकीन और खट्टे से लेकर तीखे, कसैले और कड़वे व्यंजन भी शामिल होते हैं। आइए आपको बताते हैं कैसे हुई थी इस कॉन्सेप्ट की शुरुआत।

कैसे हुई थी छप्पन भोग की शुरुआत

पौराणिक कथा के मुताबिक, ब्रज के लोग स्वर्ग के राजा इंद्र को प्रसन्न करने के लिए एक विशेष आयोजन में जुटे थे। तब नन्हें कृष्ण ने नंद बाबा से पूछा कि ये ब्रजवासी कैसा आयोजन करने जा रहे हैं? तब नंद बाबा ने कहा था कि, इस पूजा से देवराज इंद्र प्रसन्न होंगे और उत्तम वर्षा करेंगे। इसपर बाल कृष्ण ने कहा, कि वर्षा करना तो इंद्र का काम है, तो आखिर इसमें पूजा की क्या जरूरत है? अगर पूजा करनी ही है, तो हमें गोवर्धन पर्वत की करनी चाहिए जिससे लोगों को ढेरों फल-सब्जियां प्राप्त होती हैं और जानवरों के लिए चारे की व्यवस्था होती है। ऐसे में, कृष्ण की ये बातें ब्रजवासियों को खूब पसंद आई और वे इंद्र की जगह गोवर्धन पर्वत की पूजा करने लगे।

गोवर्धन पर्वत से जुड़ी है कहानी

गोवर्धन की पूजा से देवताओं के राजा इंद्र बहुत क्रोधित हो उठे और ब्रज में भारी वर्षा करके अपना प्रकोप दिखाने लगे। ऐसे में, ब्रजवासी भयभीत होकर नंद बाबा के घर पहुंचे और श्रीकृष्ण ने बाएं हाथ की उंगली से पूरा गोवर्धन पर्वत उठा लिया, जिसकी शरण में ब्रजवासियों को सुरक्षा मिली। कथा के मुताबिक, भगवान श्रीकृष्ण 7 दिनों तक बिना कुछ खाए-पिए गोवर्धन पर्वत को उठाए रहे, ऐसे में आठवें दिन जाकर वर्षा रुकी और ब्रजवासी बाहर आए। गोवर्धन पर्वत ने न सिर्फ ब्रजवासियों को इंद्र के प्रकोप से बचाने का काम किया बल्कि इस बीच ब्रजवासियों को बाल कृष्ण की अद्भुत लीला का दर्शन भी हो गया। ऐसे में, सभी को मालूम था कि सात दिनों से कृष्ण ने कुछ भी नहीं खाया है। तब सभी मां यशोदा से पूछने लगे कि आप अपने लल्ला को कैसे खाना खिलाती हैं, तो इसपर सभी को मालूम चला कि माता यशोदा अपने कान्हा को दिन में आठ बार खाना खिलाती हैं। ऐसे में, बृजवासी अपने-अपने घरों से सात दिनों के हिसाब से हर दिन के लिए 8 व्यंजन तैयार करके लेकर आए, जो कृष्ण को पसंद थे। इसी तरह छप्पन भोग की शुरुआत हुई और तभी से यह मान्यता अस्तित्व में आई कि 56 भोग के प्रसाद से भगवान कृष्ण अति प्रसन्न होते हैं।

56 भोग में कौन-से व्यंजन होते हैं शामिल?

छप्पन भोग में चढ़ाए जाने वाले व्यंजनों में पंजीरी, माखन-मिश्री, खीर, रसगुल्ला, जलेबी, रबड़ी, जीरा-लड्डू, मालपुआ, मोहनभोग, मूंग दाल हलवा, घेवर, पेड़ा, काजू-बादाम बर्फी, पिस्ता बर्फी, पंचामृत, गोघृत, शक्कर पारा, मठरी, चटनी, मुरब्बा, आम, केला, अंगूर, सेब, आलूबुखारा, किशमिश, पकौड़े, साग, दही, चावल, कढ़ी, चीला, पापड़, खिचड़ी, बैंगन की सब्जी, दूधी की सब्जी, पूड़ी, टिक्की, दलिया, देसी घी, शहद, सफेद-मक्खन, ताजी क्रीम, कचौरी, रोटी, नारियल पानी, बादाम का दूध, छाछ, शिकंजी, चना, मीठे चावल, भुजिया, सुपारी, सौंफ, पान और मेवा।

बच्चों पर आत्मविश्वास जगाएं लक्ष्य निर्धारण करना सीखाएं

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

12 वीं पास होने पर बच्चों के भविष्य को लेकर अभिभावक काफी असमंजस में रहते हैं, कि हम बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए क्या करें? डॉ. गजेन्द्र तिवारी ने बताया कि बच्चों के सफल भविष्य के लिए उनकी नींव मायने प्राथमिक कक्षाओं में से ही मजबूत करने की आवश्यकता है। बचपन की सीखी हुई आदतें लंबे समय तक रहती हैं, इसलिए बच्चों को बचपन से ही अच्छी आदतों के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों को समय का सदुपयोग करना सिखाएं और नियमित पढ़ने की आदत डालें। यदि घर में बच्चों के साथ बड़े बुजूर्ग बातें कर रहे हैं तो उन्हें सुनने के लिए आदत डालें, क्योंकि बड़ों की बातें सुनने की आदत बच्चे में रहेगी तो आगे चलकर बच्चा बड़ों का सम्मान करने सीखेंगे और उनकी बातों को अनसुनी नहीं करेंगे।

बच्चों में स्वयं पर विश्वास करने की आदत डालें। पढ़ाई के साथ-साथ लिखने की आदत डालें। बार-बार लिखने से पाठ कंठस्थ होता है और लिख-लिख कर पढ़ने से याददाश्त काफी समय तक बना रहता है। उन्हें लक्ष्य निर्धारण स्वयं करने दें ताकि उसी विषय पर वह फोकस कर सके और 12 वीं की पढ़ाई के बाद वह अपना फील्ड स्वयं कर सके।

बच्चों को बार-बार दबाव ना डालें, उसे प्रेम से समझाएं और बच्चों के लिए स्वयं अभिभावक कुछ समय निकालें और पढ़ाई के साथ-साथ घर के क्रियाकलापों को भी साझा करें। मेहनत और संघर्ष तथा पैसे का मोल समझाएं। स्कूल जाने से पहले उसे स्वयं तैयार होने के लिए प्रेरित करें। अनावश्यक समय बर्बादी रोकने के लिए प्रोत्साहित करें। आज कल सबसे बड़ी समस्या मोबाईल में समय बीताने की है। अभिभावकों के लाख कोशिशों के बाद भी बच्चे मोबाईल से चिपके रहते हैं, जिसका कई दुष्प्रभाव सामने आता है। बच्चों को प्रेम से समझाएं कि मोबाईल के अधिक प्रयोग से आंखों में इफेक्ट पड़ता है और समय से पहले ही चश्मा लग जाता है। मोबाईल से मस्तिष्क का विकास भी अवरूद्ध होता है। बच्चों को सुबह जल्दी उठने और रात को जल्दी सोने की आदत डालें। देर रात तक पढ़ाई करने से सेहत में भी प्रभाव पड़ता है और सेहत अच्छी रहेगी तभी बालक स्वस्थ रूप से बेहतर पढ़ाई कर पाएगा। इतना ध्यान रखें कि आज के भौतिक युग में संगति अच्छी हो।

यदि बच्चा गलत संगति में पड़ जाए तो आपके बच्चों का कैरियर तबाह होना निश्चित है। सजग रहें, सतर्क रहें और बच्चों पर नजर अवश्य रखें। बच्चा यदि संस्कारी, अनुशासनशील होगा तो स्वयं अपना कैरियर बना लेगा और स्वयं बेहतर भविष्य के लिए चिंतन करने में समर्थ होगा।

इस जन्माष्टमी श्री कृष्ण को जरूर चढ़ाएं ये 11 पारंपरिक भोग, घर पर भी कर सकते हैं तैयार

इस साल जन्माष्टमी का त्योहार 26 अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान कृष्ण की पूजा की जाती है और उन्हें उनकी पसंद के व्यंजनों का भोग लगाया जाता है। वैसे तो इनका सबसे प्रमुख भोग माखन-मिश्री का होता है लेकिन इसके अलावा और भी कई मिठाइयों का भोग लगाया जाता है। आइए जानें भगवान कृष्ण के लिए खास भोग के बारे में।

भगवान श्री कृष्ण को लगाएं ये भोग

खीर- दूध,चावल, ड्राई फ्रूट्स, इलायची और चीनी से बनी खीर भगवान कृष्ण का प्रिय मीठे व्यंजनों में से एक है। इसे इस दिन विशेष रूप से तैयार किया जाता है और इसकी मिठास भगवान कृष्ण की दिव्यता को दर्शाती है।

लड्डू- भगवान कृष्ण को लड्डू गोपाल भी कहा जाता है, क्योंकि उन्हें लड्डू बहुत पसन्द है। इसलिए इस दिन बेसन, घी और चीनी से बने लड्डू, को जन्माष्टमी पर विशेष रूप से बनाया जाता है, और यह स्वादिष्ट भोग भगवान कृष्ण को अर्पित किया जाता है।

पंजीरी- खरा धनिया पाउडर, गुड़ और ड्राई फ्रूट्स से बनी पंजीरी एक बेहद पौष्टिक भोग है जो जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण को अर्पित की जाती है। यह भोग विशेष रूप से हेल्दी होता है।

छेने की मिठाईयां- दूध से बनाई गई छेना, भगवान कृष्ण की अतिप्रिय है। इसलिए इस दिन छेने से बनी कई तरह की मिठाइयों का भोग अर्पित किया जाता है जिन्हें चीनी के साथ तैयार किया जाता है।

बेसन का हलवा- जन्माष्टमी पर घी, बेसन और चीनी से बने हलवे का स्वाद और सुगंध भगवान कृष्ण की पूजा में चार चांद लगाते हैं।माखन-मिश्री- ये भगवान श्रीकृष्ण का सबसे प्रिय भोग है। इसे ताजे मक्खन और मिश्री (कैंडिड शुगर) से तैयार किया जाता है। माखन में मिश्री मिलाकर भगवान को अर्पित किया जाता है।

मखाना खीर- मखाना (फॉक्स नट्स) चिरौंजी, ड्राई फ्रूट्स, चीनी और दूध से बनी यह खीर पेट के लिए हल्की और स्वादिष्ट होती है।

पंचामृत- दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से बना पंचामृत भगवान के स्नान और भोग दोनों में इस्तेमाल होता है।

मालपुआ- मैदा, खोवा,दूध, ड्राई फ्रूट्स और चीनी से बने मालपुआ को तलकर भगवान को अर्पित किया जाता है। यह एक प्रकार का मीठा पैनकेक है।

गुड़ नारियल से बने लड्डू- गुड़ और नारियल से बने ये लड्डू भगवान श्रीकृष्ण को बहुत प्रिय हैं।

इनके अलावा सिंघाड़े के आटे का हलवा, कटोरी पेड़ा,दूध, दही, मलाई, रबड़ी और दूध से बने अनेक व्यंजन भगवान को भोग के रूप में अर्पित किए जाते हैं।

वृंदावन मंदिर में राधा-कृष्ण की मूर्ति का अनुपम माधुर्य

विष्णु सरकार के प्रयासों से सशक्त होती महिलाएं

महिलाओं के विकास से ही समाज का विकास संभव है। छत्तीसगढ़ की महिलाएं भी अपने प्रदेश के चहुंमुखी और तेज विकास में पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हुई हैं। घर-परिवार की देखभाल में तो महिलाएं अव्वल हैं ही,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, पर्यवेक्षक, महिला समूह सहित अनेक रूपों में महिलाएं राज्य के भविष्य नन्हें-मुन्हें बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की देखभाल के साथ उन्हें प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने का काम कर रही हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हमेशा राज्य के विकास में महिलाओं की भूमिका की सराहना की है। वे महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण के पक्षधर हैं। उन्होंने महिलाओं की काबिलियत को समझा और उन्हें हर क्षेत्र में आगे आने का मौका दिया है। उनके नेतृत्व में प्रदेश में महिला शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। वैसे तो पहले से ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बराबर हिस्सेदारी रही है। खेती-किसानी के कार्यों में यहां की महिलाएं निपुण हैं ही, अब महिलाएं सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर उद्यम एवं व्यवसाय भी तेजी से कदम बढ़ा रही हैं।

प्रदेश में राशन दुकान, कपड़ा दुकान, सिलाई दुकान, श्रृंगार दुकान, होटल, थोक में बड़ी, पापड़, अचार और छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की बिक्री तथा ब्यूटी पार्लर जैसे लाभकारी व्यवसाय उनके लिए आत्मनिर्भरता की सीढ़ी बन चुके हैं। छत्तीसगढ़ में शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के संचालन और स्कूलों में मध्यान्ह भोजन तैयार करने का कार्य भी महिलाओं को ही दिया गया है। प्रदेश के आंगनबाड़ी केन्द्रों और मिनी आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के लिए नाश्ता और गर्म पके हुए भोजन तैयार करने का काम भी महिला समूह की महिलाएं कर रही हैं। राज्य सरकार ने

पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत सीटों में आरक्षण प्रदान कर प्रदेश के विकास में उनकी भूमिका सुनिश्चित कर दी है। कुपोषण मुक्ति अभियान में महिलाओं की सक्रियता से ही आज राज्य में कुपोषण दर में लगातार कमी आ रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की वजह से आज भारत देश विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में एक है। प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुरूप विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं का बराबर का योगदान जरूरी है। इसको ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य की महिलाओं की आत्मनिर्भरता एवं स्वावलंबन के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। महिलाओं के स्वाभिमान और सम्मान के प्रतीक के रूप में महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ सरकार ने शुरू की है। इससे महिलाओं में एक नया आत्मविश्वास जगा है और उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ी है।

महतारी वंदन योजना के तहत राज्य में विवाहित महिलाओं को 1,000 रुपए प्रतिमाह (कुल 12,000 रुपए सालाना) वित्तीय सहायता दी जा रही है, जो प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में जमा की जा रही है। महिलाएं खुश है कि वो महतारी वंदन योजना से मिली राशि से अपने बच्चों और परिवार की छोटी-छोटी जरूरतें पूरी कर पा रहीं हैं।

महिलाएं घर-परिवार की देखभाल, प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अपनी छोटी-मोटी बचत का उपयोग ज्यादातर परिवार और बच्चों के पोषण में खर्च करती हैं। इसके बावजूद भी आर्थिक मामलों में उनकी सहभागिता अभी भी बहुत कम है। इसे देखते हुए राज्य सरकार महिलाओं की आर्थिक सहभागिता बढ़ाने के लिए काम कर रही है। महिलाओं के स्वास्थ्य की बात की जाए तो 2020-21 में हुए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 के अनुसार 23.10 प्रतिशत महिलाएं मानक बॉडी मास इंडेक्स से कम स्तर पर हैं। 15 से 49 वर्ष के आयु की महिलाओं में एनीमिया का स्तर 60.8 प्रतिशत और गर्भवती महिलाओं में यह 51.8 प्रतिशत है। इस स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार उनके स्वास्थ्य और सुपोषण को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रही है।

राज्य में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने सरस्वती सायकल योजना को वृहद स्तर पर फिर से शुरू किया गया है। इससे बेटियों को आगे की पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहन और मदद मिल रही है। असंगठित क्षेत्र की महिला श्रमिकों को भी निःशुल्क सायकल और सिलाई मशीन वितरित किया जा रहा है। सायकल मिलने से उन्हें कार्यस्थल तक जाने में सुविधा हो रही है, वहीं सिलाई सीखकर वे चाहें तो सिलाई-बुनाई को आमदनी का जरिया बना सकती हैं।

महिलाओं और बालिकाओं की आपातकालीन सहायता के लिए प्रदेश में दूरभाष हेल्पलाइन-1091 की सेवा संचालित है। गर्भवती और शिशुवती महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से स्वादिष्ट और पौष्टिक पूरक पोषण आहार वितरण किया जा रहा है। गरीब परिवार की विवाह योग्य बेटियों के सम्मानपूर्वक विवाह के लिए वर्ष 2005-06 से प्रदेश में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना संचालित है। प्रदेश की महिलाएं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर आगे बढ़ ही रही हैं। इसके अलावा वे अपनी मेहनत और खुद की योग्यता के बल पर प्रदेश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक व्यवस्था और राज्य के खेल जगत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

बालको ने विश्व स्तनपान सप्ताह पर समुदाय में चलाया जागरूकता अभियान

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने समुदाय की गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान के साथ विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया। इस वर्ष की थीम 'क्लोजिंग द गैप्स ब्रेस्टफीडिंग सपोर्ट फॉर ऑल' के अनुरूप महिला एवं बाल स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सत्र आयोजित की गई। इस अवसर पर 'आरोग्य परियोजना' के अंतर्गत शिशुवती माताओं और गर्भवती महिलाओं को बच्चों के पोषण और स्तनपान के महत्व से परिचित कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चे के लिए पहले 1,000 दिनों में मां के दूध का महत्व और कंगारू देखभाल जैसी उन्नत देखभाल तकनीकों पर जागरूकता प्रदान की गई। अभियान में मातृ एवं शिशु दोनों के बेहतर स्वास्थ्य और स्तनपान को अनुकूलित करने के लिए प्रसव से पहले महिलाओं के शरीर को तैयार करने पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में 500 से अधिक गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के समापन में कंपनी ने स्तनपान कराने वाली माताओं को सम्मानित और समर्थन देने का काम किया। अभियान ने स्तनपान प्रथाओं को बढ़ावा देने तथा इसे बनाए रखने में परिवार, समुदाय और स्वास्थ्य सेवा कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका को बताया गया। साप्ताहिक पहल में माताओं और गर्भवती महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

कोरबा की महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी सुश्री रेणु प्रकाश ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि बच्चे का पोषण माँ की भलाई से जुड़ा हुआ है। महिला एवं बाल विकास लक्ष्यों के अनुरूप बालको की पहल माताओं को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए सशक्त बनाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उनके बच्चों को उनकी ज़रूरत के अनुसार पोषण मिले। मुझे विश्वास है कि प्रतिभागी इन सीखों को स्वयं तथा अपने बच्चों की देखभाल के लिए अधिक प्रभावी ढंग से लागू करेंगी।

पथरीपारा की लाभार्थी रेजिना लिंगा ने बताया कि इस सत्र से कंगारू केयर तकनीक ने मातृत्व के प्रति मेरे दृष्टिकोण को बदल दिया है। कंगारू केयर पद्धति में सिखाया गया की अपने बच्चे को शरीर से लगाकर रखने से मातृ एवं शिशु के रिश्ते मजबूत होते हैं साथ ही मेरे बच्चे की समग्र विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। सत्र के दौरान मिले मार्गदर्शन ने एक माँ के रूप में मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया है जिससे मुझे अपने बच्चे की उचित देखभाल करने में मदद मिली है।

समृद्ध समुदाय के लिए स्वास्थ्य सेवा की पहुंच जरूरी- राजेश कुमार

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक सभी की पहुँच एक समृद्ध समुदाय बनाने के हमारे दृष्टिकोण का केंद्र है। विभिन्न पहल के माध्यम से हम महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के साथ लोगों को एक स्वस्थ जीवन, आत्मनिर्भर भविष्य तथा सशक्त बनाने के लिए कटिबद्ध हैं। मातृ एवं बाल स्वास्थ्य का समर्थन करके हम अपने समुदाय की भलाई को बढ़ावा दे रहे हैं। हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि समुदाय के प्रत्येक माता एवं शिशु एक स्वस्थ और समृद्ध जीवन व्यतीत कर सके।

समुदाय के प्रति समर्पित बालको की आरोग्य और नंद घर पहल, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक-आर्थिक विकास और कल्याण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। आरोग्य व्यापक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएँ प्रदान करता है जो मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, कुपोषण, एनीमिया और एचआईवी, टीबी और नशामुक्ति के बारे में जागरूकता पर केंद्रित है। नंद घर, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से प्री-स्कूल पोषण, उच्च-स्तरीय पाठ्यक्रम के साथ शिक्षा, डिजिटल शिक्षण उपकरण और बेहतर सुविधाओं को बढ़ाता है जिससे बच्चों के संज्ञानात्मक विकास और स्कूल उपस्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

अनिल कुमार एनटीपीसी के नए निदेशक एचआर बने

कोरबा/जमनीपाली (दिव्य आकाश)।

एनटीपीसी के नए निदेशक (एचआर) अनिल कुमार जदली ने शुक्रवार को कार्यभार संभाल लिया है। वे 1993 में बतौर कार्यकारी प्रशिक्षु के रूप में अपने करियर की शुरूआत करने के बाद एनटीपीसी में मानव संसाधन कार्य के शीर्ष पद तक पहुंचे, जो उनके प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। उन्होंने गढ़वाल विश्वविद्यालय से कार्बनिक रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर और एमडीआई गुड़गांव से मानव संसाधन प्रबंधन में व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया है। उन्हें ईएससीपी-ईएपी (पेरिस, बर्लिन और ट्यूरिन) से प्रबंधन और नेतृत्व प्रशिक्षण इनपुट भी प्राप्त हुए हैं। अनिल कुमार लगभग एक दशक तक लाइन फंक्शन में काम करने के बाद साल 2004 में एचआर फंक्शन में काम करना शुरू किया। इस दौरान एचआर प्रमुख समेत विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

दूर हुआ पहाड़ी कोरवा दुखुराम का दुख नौकरी से मिला जीवन का सुख

कोरबा (दिव्य आकाश)।

पहाड़ी कोरवा युवक दुखुराम की अब दिनचर्या ही बदल गई है। राज्य शासन से नौकरी मिलने के पश्चात एक नया सपना सजने लगा है। कुछ साल पहले रोजगार नहीं होने से पूरा दिन जंगलों में चार, तेंदू, महुआ आदि फल-फूल एकत्रित करने में समय गुजर जाता था। भूख मिटाने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती थी। ऐसे में एक सामान्य जनजीवन व्यतीत करना एक कल्पना ही थी। लेकिन यह कल्पना एक दिन हकीकत में बदल जायेगी यह पहाड़ी कोरवा दुखुराम ने भी नहीं सोचा था। राज्य शासन की पहल ने आज उसे इस मुकाम पर ला खड़ा किया है कि अब वह इतिहास में जाना नही चाहता। सरकारी नौकरी के बाद अपनी दुखों से दूर हुए पहाड़ी कोरवा दुखुराम अपना भविष्य सुधारने के साथ बच्चों का भविष्य बनाने की सोचने लगा है। नौकरी से न सिर्फ दुखुराम का जीवन बदला है, उनकी पत्नी सहित परिवार को भी जीवन का सुख मिलने लगा है।

वर्तमान में कोरबा विकासखंड के ग्राम पेण्ड्रीडीह में रहने वाला पहाड़ी कोरवा युवक दुखुराम को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सहायक शिक्षक के रूप में नौकरी प्रदान की गई है। वह कोरबा मुख्यालय के सुदूरवर्ती क्षेत्र श्यांग-अमलडीहा से लगे ग्राम आमाडांड के शासकीय प्राथमिक शाला में बच्चों को अध्यापन कराता है। प्रतिदिन ग्राम पेण्ड्रीडीह से अपने स्कूल आमाडांड की दूरी बाइक से तय करने वाले दुखुराम ने बताया कि वह समय पर स्कूल पहुंच जाता है। पेण्ड्रीडीह में उनके रिश्तेदार रहते हैं, इसलिए यहीं निवास करता है। उन्होंने बताया कि शुरूआत में नौकरी करना कठिन लगा क्योंकि उसे जंगल में रहने की आदत थी।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री विकास महतो का जन्मदिन कोरबा में बड़े धूमधाम से मनाया गया

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री और युवाओं के प्रेरणास्रोत विकास महतो का जन्मदिन 22 अगस्त को कोरबा में बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विकास महतो, जिन्हें यूथ आइकॉन के रूप में जाना जाता है, की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनके जन्मदिन पर सैकड़ों लोगों ने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर उन्हें बधाई दी।

महिलाओं के बीच भी विकास महतो की लोकप्रियता का भी विशेष स्थान है। रक्षाबंधन के इस पावन अवसर पर कोरबा की हजारों महिलाओं ने उन्हें रक्षा सूत्र बांधकर आशीर्वाद दिया। महिलाओं ने इस अवसर पर उनके दीर्घायु और उज्जवल भविष्य की कामना की। विकास महतो ने भी इस स्नेह को स्वीकारते हुए कहा कि वे अपनी दीदी-बहनों की सुरक्षा और सम्मान के लिए हमेशा से संकल्पित है और आगे भी रहेंगे।

भाजपा के इस युवा नेता ने अपने जन्मदिन को सेवा और समर्पण के साथ मनाने की परंपरा को कायम रखते हुए, इस दिन को समाज के लिए समर्पित किया।

विकास महतो की राजनीतिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज की सेवा करना रहा है। वे न केवल भारतीय जनता पार्टी के एक सक्रिय सदस्य हैं, बल्कि युवाओं के प्रेरणास्रोत भी हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी कोरबा में लगातार मजबूत हो रही है, कोरबा विधानसभा के अभेद किले को ध्वस्त करने में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है।

उनका मानना है कि युवाओं की भागीदारी ही किसी भी समाज के विकास का आधार है। इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी विकास महतो को शुभकामनाएं दीं और उनके दीर्घायु एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। सभी ने उनके नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि विकास महतो का समर्पण और मेहनत ही उन्हें एक सच्चा जननेता बनाती है। विकास महतो का जन्मदिन उनके लिए सिर्फ एक व्यक्तिगत उत्सव नहीं, बल्कि एक सामाजिक दायित्व की भावना को मजबूत करने का अवसर था।

अभाविप ने मुख्यमंत्री से की छात्रसंघ चुनाव की मांग

जांजगीर (दिव्य आकाश)।

अभाविप ने प्रदेश भर के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव की कराने की मांग को लेकर सभी जिला के कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा । पूर्व में लगातार प्रतिवर्ष छात्रसंघ चुनाव किए जाने के कारण शिक्षा के क्षेत्र में सुधार तथा विकास युवा नेतृत्व के माध्यम से संपन्न होता था, परंतु 2016 के पश्चात प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव पर रोक लगा दिया था, पिछले 2 से अधिक वर्षों से छात्रसंघ मनोनयन भी नही हुआ है । पूर्व में भी अभाविप लगातार छात्र संघ चुनाव हेतु प्रदेश सरकार से मांग करती रही है । अभाविप के प्रदेश मंत्री यज्ञदत्त वर्मा ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव पर रोक लगा देना निश्चित रूप से युवा नेतृत्व का दमन करने वाला निर्णय साबित हुआ है। अभाविप सदैव से छात्रसंघ चुनाव के पक्ष में रहा है। पूर्व की सरकार से भी लगातार छात्रसंघ

चुनाव की मांग अभाविप छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा की गई थी तथा छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर प्रदेश में एक आंदोलन जागृत करने का काम अभाविप छत्तीसगढ़ ने किया है ।

एनएचएम परीक्षा के परिणाम वेबसाइट में अपलोड

कोरबा (दिव्य आकाश)।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत विभिन्न पदों पर की जा रही संविदा भर्ती के लिए कोरबा जिले में लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। शासकीय पीजी कॉलेज कोरबा में आज स्टाफ नर्स,एएनएम, एमपीडब्ल्यू, नर्सिंग ऑफिसर के पदों की परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें प्रथम पाली में 83 उपस्थित, 31 अनुपस्थित, द्वितीय पाली में 72 उपस्थित और 58 अनुपस्थित रहे। कल 23 अगस्त को जूनियर सेक्रेटरी असिस्टेंट,संगवारी डाटा एण्ट्री ऑरेटर की परीक्षा ली गई थी। उक्त दोनों दिवस में आयोजित परीक्षाओं के परिणाम कोरबा जिले की वेबसाइट korba.gov.in पर जारी कर दी गई है।

संघर्ष को मिला सम्मान

पत्रकार युधिष्ठिर राजवाड़े को मिला रमेश पासवान पत्रकारिता सम्मान

- लोकसदन एवं प्रगतिशील लेखक संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ सम्मान समारोह
- देश के प्रथम एवं प्रख्यात व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की 101 वीं जयंती पर आयोजित हुआ समारोह
- याद किये गए कोरबा के संघर्षशील पत्रकार रहे स्व. रमेश पासवान

कोरबा (लोकसदन)।

कोरबा के क्रियाशील पत्रकारों में ख्यातिलब्ध पत्रकार एवं दैनिक लोकसदन के संपादक सुरेश रोहरा द्वारा आये दिन नीत नए रचनात्मक एवं सरोकार से जुड़े कार्यों को अमलीजामा पहनाते रहते हैं। उनके मार्गदर्शक एवं मित्र सनंददास दीवान एवं श्री रोहरा अंतिम व्यक्ति के प्रति अच्छी सोच रखकर नीचे तबके के लोगों के उत्थान के लिए कुछ न कुछ नया करते रहते हैं, ताकि समाज को एक नया संदेश जाए और नीचे तबके के लोगों का भला हो।

इसी कड़ी में कोरबा के निर्भीक एवं पत्रकार जगत के होनहार व्यक्ति रहे स्व. रमेश पासवान के संघर्षशील जीवन को अपनी कलम से नया आकार दिया और समाज को यह संदेश दिया कि व्यक्ति धन से नहीं बल्कि अपने कर्म से अपनी पहचान बनाता है। स्व. रमेश पासवान भी एक ऐसे पत्रकार थे, जिन्होंने समाचार के प्रति कभी समझौता नहीं किया, भले ही स्व.श्री पासवान को अपना पूरा जीवन सादगी में ही काटना पड़ा। धनलोलुपता स्व. पासवान को कभी घेर नहीं पायी। निर्भीक और व्यवहारकुशलता के धनी स्व. रमेश पासवान को मरणोपरांत अजर-अमर करने का बीड़ा उठाया सुरेश रोहरा ने और सनंददास दीवान के मार्गदर्शन में तीन साल पहले रमेश पासवान पत्रकारिता सम्मान का शुभारंभ किया और हर साल एक संघर्षशील पत्रकार को यह सम्मान उनके द्वारा दिया जाता है।

2024 का रमेश पासवान पत्रकारिता सम्मान इस बार संघर्षशील पत्रकार एवं दिव्य आकाश के संपादक युधिष्ठिर राजवाड़े को दिया गया। श्री राजवाड़े ने इस अनुग्रह के लिए लोकसदन एवं प्रगतिशील लेखकसंघ के प्रति अपना आभार जताया और कहा कि- हालाकि मैं इस सम्मान के लायक नहीं हूं, लेकिन आयोजन समिति ने मुझे इस लायक समझा, यह उनका बड़प्पन है।

मैं फिर से आयोजन समिति के प्रति अपनी कृतज्ञता जाहिर करता हूं। 2022 में सबसे पहले दैनिक भास्कर के सिटी हेड रिपोर्टर सुखसागर मन्नेवार एवं 2023 में सत्यापाल को यह अवार्ड दिया गया था। आयोजन समिति ने श्री राजवाड़े को शाल श्रीफल, सम्मान पत्र एवं 10 हजार की सहयोग राशि प्रदान की।

स्व. रमेश पासवान सरल व्यक्ति थे लेकिन एक निर्भीक पत्रकार थे - किशोर शर्मा

देश के प्रथम एवं विश्वविख्यात व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की 101वीं जयंती पर घंटाघर कोरबा के पास स्थित मुकुटधर पांडेय साहित्य भवन में रमेश पासवान पत्रकारिता सम्मान समारोह में कोरबा की विभूतियों की गरिमामय उपस्थिति रही। कोरबा के विद्वतजनों में शुमार वरिष्ठ पत्रकार, दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव के संपादक किशोर शर्मा ने हरिशंकर परसाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए समाज में उनके योगदान को अपने श्रीमुख से उकेरा। उन्होंने कोरबा के एक सच्चे कलमकार रमेश पासवान के सादगी भरे जीवन और लेखनी में उनकी निर्भीकता को भी उकेरा।

किशोर शर्मा की जुबानी-हरिशंकर परसाई की कहानी

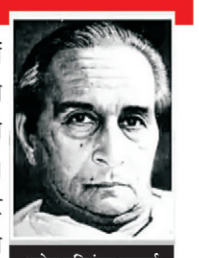
श्रद्धेय हरिशंकर परसाई
व्यंग्य साहित्य के शिखर पुरूष

22 अगस्त 1924 को इस धरा पर एक ऐसे व्यक्तित्व का उदय हुआ जो कालांतर में हरिशंकर परसाई के नाम से देश दुनिया में विख्यात हुआ। आज उनकी 101वीं जयंती पर हम सब उनके प्रति अपनी कृतज्ञता जाहिर करते हुए हम उन्हें नमन करते हैं। स्व. श्री परसाई ने अपनी रचनाओं एवं व्यंग्य लेखन से समाज को एक नई दिशा दी, समाज को जागृत किया। हरिशंकर परसाई दैनिक अखबार देशबंधु में लंबे समय तक अपनी लेखनी लिखी और समाज को एक नया संदेश दिया। श्री शर्मा ने कहा कि हरिशंकर परसाई अपने व्यंग्य लेखनों से एक नई विधा प्रारंभ की- व्यंग्य। संभवत- यह देश के प्रथम व्यंग्यकार लेखक थे। उनकी रचनाओं में गुदगुदी भी होती थी और समाज का आईना भी दिखता था। लगातार खोखली होती जा रही सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था में पिसते लोगों के दर्द को हरिशंकर परसाई ने महसूस किया और अपने व्यंग्य लेखन से समाज को जागृत करने का काम किया और राजनीति के धुरंधरों को आईना दिखाने का भी काम किया। अपनी पैनी लेखनी से वे एक समाज सुधारक के रूप में भी जाने जाते हैं। श्री शर्मा ने कहा कि उनका जन्म मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के एक छोटे से गांव जमानी में हुआ था। नागपुर में उनकी शिक्षा हुई और जबलपुर में अपनी खुद की पत्रिका चालू की और अपनी लेखनी को पत्रिका के माध्यम से धार देने का काम प्रारंभ किया। हमें गर्व है कि हरिशंकर परसाई कई सालों तक छत्तीसगढ़ की धरा को भी जागरूक करने का प्रयास किया और वे राजनांदगांव में रहकर अपनी लेखनी को आगे बढ़ाया।

हरिशंकर परसाई एक प्रेरणा श्रोत हैं और उनकी जीवनी से हमें प्रेरणा भी लेनी चाहिए। वे अजर अमर हैं और उनकी लेखनी से ही हम उन्हें हर साल याद करते हैं। उनकी लेखनी के कारण उन्हें कई राष्ट्रीय पुरूष्कार भी मिले।

रमेश पासवान का संघर्षशील जीवन-किशोर शर्मा की जुबानी

कोरबा जिले के वरिष्ठ पत्रकार रमेश पासवान का निधन कोरोनाकाल में हुआ और इस महामारी ने हमारी एक प्रतिभा को सदा के लिए छीन लिया। 26 अप्रैल 2021 को रमेश पासवान का आकस्मिक निधन हो गया और पत्रकार जगत उनके निधन से हतप्रभ रह गया। पत्रकार जगत के लिए यह एक बड़ा आघात था। हम उनके निधन से रिक्त हुई जगह को भर तो नहीं सकते, लेकिन उनके कर्म से हम सदा उन्हें याद करते रहेंगे।

एक कर्मशील पत्रकार के रूप में कोरबा जिले में विख्यात स्व. रमेश पासवान के सौम्य व्यवहार, सादगी भरा जीवन और पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी निडरता को सानिध्य देने वाले देशबंधु के पूर्व ब्युरोचीफ एवं छत्तीसगढ़ गौरव के संपादक किशोर शर्मा ने अपने सानिध्य में उन्हें आगे बढ़ाया और पत्रकारिता की सूक्ष्मता को उनके जीवन का हिस्सा बनाया।

कोरबा में पत्रकारजगत के आधार स्तंभों में से एक किशोर शर्मा ने कहा कि रमेश पासवान मेरे सहयोगी थे और बिना साधन के एक अच्छे पत्रकार के रूप में अपने आपको स्थापित कर कोरबा जिले में अपनी खुद की पहचान बनायी। वे एक सरल व्यक्ति थे, लेकिन पत्रकारिता के क्षेत्र में एक निर्भीक पत्रकार के रूप में जाने जाते रहे हैं। 56 वर्ष की उम्र में तीन साल पहले उनका निधन हो गया लेकिन लंबे समय तक वे मेरे सहयोगी के रूप में काम करते रहे।

मूलत- बिहार निवासी होने के बावजूद भी उनकी वाणी में छत्तीसगढिया संस्कृति कूट-कूटकर भरी हुई थी और वे भोजपुरी के साथ-साथ हिन्दी और छत्तीसगढ़ी भाषा में भी अपनी पकड़ मजबूत कर रखी थी। देशबंधु से पूर्व वे कुछ महीने तक वीर छत्तीसगढ़ में भी अपनी सेवा दी थी, लेकिन उनकी पत्रकारिता को देशबंधु में ही धार मिली। उन्होंने करीब तीन दशक तक पत्रकारिता में अपना लोहा मनवाया। श्री शर्मा ने बताया वे कोरबा के एक ऐसे पत्रकार थे, जो व्यवहार से सरल लगते थे लेकिन पत्रकारिता में उनकी निडरता सर्वविख्यात था। पत्रकारिता में उनकी चमक तब बढ़ी जब भाजपा के शासनकाल में बालको का निजीकरण हुआ और कोरबा में श्रमिकों एवं युनियनों ने एक बड़ा आंदोलन खड़ा किया। उनकी रिपोर्टिंग से उनकी ख्याति छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि देश तक पहुंची।

श्री शर्मा ने बताया कि आने वाला समय उन लोगों के लिए बेहतर होता है जो कर्मशील और संघर्षशील हुआ करते हैं। रमेश पासवान दशकों तक मेरे सहयोगी के रूप में काम करते रहे, लेकिन आर्थिक स्थिति अच्छी हो, इसके लिए अच्छी सैलरी मिलने के कारण वे विनम्रता पूर्वक मुझसे आग्रह किया- भैय्या ! मैं हरिभूमि में जाना चाहता हूं, यदि आपका आदेश हो तो? ऐसे विनम्र थे रमेश पासवान। वे हरिभूमि के साथ-साथ नवभारत में भी अपनी सेवाएं दी और बतौर संवाददाता नवभारत में रहते हुए कोरोनाकाल में उनका निधन हो गया।

संघर्षशील व्यक्ति ठान ले तो सफलता जरूर मिलती है-विकास जोशी

कोरबा के ख्यातिलब्ध वक्ता और विद्वान पत्रकार के रूप में अपनी अलग पहचान बनाने वाले राष्ट्रीय धर्मऊर्जा के संपादक और राष्ट्रीय चिंतक विकास जोशी ने इस गरीमामय कार्यक्रम को अपने ओजस्वी वक्तव्य से और गरीमा प्रदान की। उन्होंने कार्यक्रम के संयोजक सुरेश रोहरा के इस आयोजन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज के निम्न, मध्यम, दबे-कुचले लोगों को ऊपर उठाने की सोच रखने वाला समाज का सबसे बड़ा आदमी होता है। बड़े लोगों को तो सब पूछते हैं, लेकिन जो संघर्ष कर अपने जीवन को और अपने कर्मक्षेत्र में प्रकाश फैलाते हैं, ऐसी प्रतिभाओं को आगे लाने का काम करने वाला सच्चा समाज हितैषी होता है।

सुरेश रोहरा ने एक ऐसा ही अनुकरणीय काम किया है। आज देश के, समाज के प्रेरणा श्रोत प्रख्यात व्यंग्यकार लेखक हरिशंकर परसाई की जन्मजयंती पर हम उन्हें नमन करते हुए उनसे कुछ सीखें और समाज को कुछ देने का प्रयास करें। सुरेश रोहरा ने पत्रकारिता के क्षेत्र में अपने संघर्ष को जीने वाला कनिष्ठ पत्रकार युधिष्ठि राजवाड़े को रमेश पासवान पत्रकारिता सम्मान के लिए चयन किया है, यह उनकी अच्छी सोच को परिलक्षित करता है। उन्होंने कहा कि अच्छी सोच से ही समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। बड़े लोगों को ऊपर उठाने के लिए 100 लोग मिल जाते हैं लेकिन समाज के नीचे तबके को उठाने वाला बिरला ही मिलता है। सुरेश रोहरा की इस सोच को मैं प्रणाम करता हूं।

उन्होंने अपने उद्बोधन में सबसे पहले मंचस्थ विभूतियों का नाम लेते हुए अपनी वाणी को आगे बढ़ाया और कहा कि देश में हरिशंकर परसाई जैसी विभूति समाज को आज भी नई प्रेरणा दे रहे हैं, वहीं कोरबा के कर्मशील पत्रकार रहे रमेश पासवान को भी अद्वितीय बताया। उन्होंने कहा कि रमेश पासवान कोई बड़ा आदमी नहीं था, एक मध्यम वर्गीय श्रमजीवी पत्रकार थे, उनकी लेखनी में अंतिम व्यक्ति के लोगों की समस्याओं की कसक दिखती थी और उनके समाचार में उनके उत्थान को बयां करने वाले शब्द रहते थे। उनके समाचारों से दबे-कुचले लोगों की आवाज आती थी और इसकी पहुंच शासन प्रशासन तक होती थी। ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोग आज भी समस्याओं से जूझ रहे हैं, रमेश पासवान उनकी समस्याओं को बड़ी गंभीरता से अपने कार्य स्थल और अखबारों में स्थान देते थे, ताकि उनकी समस्याएं हल हों। उनके समाचारों में लोगों के जीवन के ब्लैक स्पॉट को स्थान दिया जाता था, ताकि इस ब्लैक स्पॉट में रौशनी की कुछ किरण पहुंच सके। उनकी लेखनी में धार थी। रमेश पासवान कोरबा का बहुत बड़ा आदमी नहीं, लेकिन उनकी पत्रकारिता में एक अलग पहचान थी। इसी पहचान को सुरेश रोहरा नई पहचान देने में लगे हुए हैं। उनके द्वारा प्रारंभ किया गया रमेश पासवान पत्रकारिता सम्मान कर्मशील पत्रकारों के लिए नया उत्साह वर्धन करने वाला साबित होगा। मैं युधिष्ठिर राजवाड़े को भी बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि उसने अपनी कर्मठता और जज्बा को समाज में प्रदर्शित किया है और दिव्य आकाश को 14 सालों से गति दे रहा है।

तीन साल पूर्व इस दुनिया को अलविदा कह गए थे रमेश पासवान

कोरोनाकाल के भयावह को पूरी दुनिया ने देखा है और कईयों ने इस भयावह को भुगता भी है। कई दोस्त, कई विभूतियां इस दुनिया से अनायास ही इस महामारी के कारण चले गए। हम पत्रकार साथियों के बीच एक अलग पहचान बनाने वाले रमेश पासवान भी इस महामारी के शिकार हो गए और एक निर्भीक तथा ख्यातिलब्ध पत्रकार इस दुनिया से चले गए। पत्रकारों के बीच अलग छवि और सबको अपने व्यवहार से अपना बना लेने की क्षमता रखने वाले रमेश पासवान के अनायास चले जाने से पत्रकार जगत को काफी आघात लगा। उनके निधन से रिक्त जगह को पूरी नहीं की जा सकती लेकिन उनके व्यक्तित्व और उनकी लेखनी को अजर अमर करने के लिए लोकसदन परिवार द्वारा रमेश पासवान पत्रकारिता सम्मान की शुरूआत उनके निधन के बाद तीन साल पूर्व किया गया। लोकसदन के संपादक सुरेश रोहरा की कर्मठता और जज्बा से यह समारोह हर साल लघु रूप से लेकिन भव्यता के साथ मनाया जाता है। इस साल 22 अगस्त को घंटाघर कोरबा के पास स्थित पंडित मुकुटधर पांडेय साहित्य भवन में संध्या 6 बजे से इस समारोह को विभूतियों की उपस्थिति में भव्यता के साथ मनाया गया। अपने पिता के बताए मार्ग पर चल कर उनके सुपुत्र अनूप भी पत्रकारिता में अपना कैरियर बना रहे हैं। इस समारोह में अनूप पासवान विशेष रूप से उपस्थित थे।

ज्ञान की देवी सरस्वती पूजा के साथ समारोह का शुभ आरंभ

कार्यक्रम का शुभ आरंभ मां सरस्वती की अद्वितीय प्रतिमा के श्रीचरणों में पुष्प अर्पित और सद्ज्ञान की कामना के साथ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती आरती के साथ हुआ। इस अवसर पर कवियत्री वीणा मिस्त्री ने सुमधुर वाणी से मां सरस्वती की आरती गायी। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में उपस्थित साहित्यकारों ने साहित्य विधा को आगे बढ़ाया और श्रोतागणों ने घंटों तक इसका रसपान किया।

सुरेश रोहरा का कार्य अनुकरणीय

वरिष्ठ पत्रकार सुरेश रोहरा ने रमेश पासवान के नाम से पत्रकारिता सम्मान प्रारंभ करना अनुकरणीय कार्य है। इस कार्य को सुख सागर मन्नेवार, सत्यापाल, विपेन्द्र साहू ने अनुकरणीय बताया।

बड़ों का अपमान भूल से भी मत करना-सनंददास दीवान

रमेश पासवान पत्रकारिता सम्मान समारोह के मार्गदर्शक के रूप में सनंददास दीवान ने अपनी महती भूमिका निभाई और कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए कुछ प्रेरणा स्पद शब्दों का भी प्रयोग करते रहे। उन्होंने रमेश पासवान पत्रकारिता सम्मान समारोह के तृतीय वर्ष के समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि तृतीय वर्ष का पुरस्कार देते हुए हमें हर्ष हो रहा है कि हम आज यह पुरस्कार एक ऐसे पत्रकार को दे रहे हैं जो संघर्षशील, क्रियाशील और जज्बे के साथ दिव्य आकाश को अद्वितीय रूप से प्रकाशित कर आगे बढ़ा रहा है। उसके समाचार पत्र में शुद्ध पत्रकारिता की झलक दिखाई देती है और द्वेषपूर्ण समाचारों का कोई स्थान नहीं होता। निष्पक्ष पत्रकारिता का अद्वितीय उदाहरण है युधिष्ठिर राजवाड़े। उन्होंने युधिष्ठिर राजवाड़े की ओर इंगित करते हुए एक बड़ी बात भी कही। उन्होंने कहा अपने वरिष्ठजनों का कभी अपमान मत करना और उनसे सिर्फ अच्छी बातों को सीख कर अपनी कर्मशीलता एवं कार्यक्षेत्र को आगे बढ़ाना। कभी-कभी मानवीय भूल हो जाती है, यह बड़ी बात नहीं है, लेकिन अपनी गलती को स्वीकार करना बड़ी बात है। इस बड़ी बात को जो समझ लिया, उसकी सफलता निश्चित है।

इस दुनिया से जाने के बाद सिर्फ कर्म के कारण नाम रह जाते है

किशोर शर्मा ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है। जो यहां आया है, उसे एक दिन जाना ही है। समय के साथ-साथ सभी इस दुनिया से चले जाते हैं, लेकिन जमाना उन्हें याद रखता है जो अपने कर्म से इस समाज को कुछ देकर जाता है। रमेश पासवान की सौम्यता और उनकी लेखनी, निर्भीक पत्रकारिता के कारण हम उन्हें आज याद कर रहे हैं और उनका चीरस्थाई स्मरण हमारे लिए प्रेरणा बनकर रहेगा। जब-जब पत्रकारिता की बात आएगी, रमेश पासवान जरूर याद आएंगे। हम उन्हें आज उनकी स्मृति में सम्मान देकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। मैं छोटे भाई युधिष्ठिर राजवाड़े को भी बधाई देता हूं, जो कम संसाधन में अपनी क्रियाशीलता, सद्व्यवहार से दिव्य आकाश को निरंतरता प्रदान कर रहा है। लगातार 14 साल 4 माह तक नियमित दिव्य आकाश का प्रकाशन करना कोई छोटी बात नहीं है। इस सम्मान के लिए युधिष्ठिर सही विकल्प है, मैं उसे बधाई देता हूं और सतत् सफलता की कामना करता हूं।

रमेश पासवान पत्रकारिता सम्मान समारोह के लिए चयनित युधिष्ठिर राजवाड़े सम्मान पत्र एवं चेक भेंट करते कार्यक्रम के मार्गदर्शक एवं वरिष्ठ पत्रकार, पूर्व एल्डरमेन सनंददास दीवान, कार्यक्रम के संयोजक सुरेश रोहरा एवं उपस्थित विभूतिगण।

रमेश पासवान के नाम से सम्मान प्रारंभ करना, उनको सच्ची श्रद्धांजलि- सुरेश रोहरा

कार्यक्रम के संयोजक सुरेश रोहरा ने कहा कि रमेश पासवान के साथ मैंने कई वर्षों तक काम किया। उनकी मित्रता से मैं आज भी आल्हादित होता हूं, लेकिन उनके निधन से मैं पूरी तरह टूट गया था, लेकिन उनके साथ बिताए पलों ने मुझे हौसला दिया और मेरे मन में सोच आयी कि मैं अपने मित्र के लिए सबसे बेहतर क्या कर सकता हूं। उन्होंने अपनी सोच को साकार किया और तीन वर्ष पूर्व रमेश पासवान पत्रकारिता सम्मान प्रारंभ किया। आज तीसरे वर्ष हम एक ऐसे व्यक्ति को रमेश पासवान पत्रकारिता सम्मान से नवाज रहे हैं जिन्होंने रमेश पासवान की सोच को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। मैं युधिष्ठिर राजवाड़े को बधाई देता हूं और अपेक्षा करता हूं कि अंतिम व्यक्ति के उत्थान की सोच को आगे बढ़ाते हुए अपनी पत्रकारिता को आगे बढ़ाए। कार्यक्रम की गरीमा बढ़ाने वाले विद्वतजनों किशोर शर्मा, विकास जोशी, शिवशंकर अग्रवाल, सनंददास दीवान, साहित्यकार वीणा मिस्त्री, श्री बनाफर, पत्रकार अरविंद पांडेय, रमेश पासवान के पुत्र अनूप, कमल सरविद्या, दीलीप अग्रवाल, श्री श्रीवास, श्री दीवान सहित उपस्थित साहित्यकारों का आभार जताया और कहा कि ऐसी विभूतियों के बीच यह सम्मान समारोह अद्वितीय और अविस्मरणीय बन गया। सभी का सादर साधुवाद और अभिनंदन। कार्यक्रम के अंत में सचिव अरविंद पांडेय ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर पत्रकार सुखसागर मन्नेवार, अरविंद पांडेय, सत्या पाल, विनोद सिन्हा, दिव्य आकाश को आगे बढ़ाने वाली टीम राजेश यादव, राजीव प्रजापति, सुरेश, विपेन्द्र साहू, जय नेताम, भागवत दीवान एवं युधिष्ठिर राजवाड़े के परिजनों में अग्रज गुरूनंदन प्रसाद राजवाड़े, श्रीमती पूर्णिमा राजवाड़े, संगीता राजवाड़े, सालिकराम राजवाड़े, प्रभा राजवाड़े, अंकिता राजवाड़े, कुणाल राजवाड़े, ओम राजवाड़े, अवि राजवाड़े सहित विशेष रूप से साहित्य जगत की विभूतियां उपस्थित थीं।

अमित शाह ने महाप्रभु वल्लभाचार्य के मुख्य प्राकट्य बैठक स्थल और चम्पेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना की

रायपुर/चंपारन।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के पवित्र धाम चंपारण पहुंचे। यहां उन्होंने महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के मुख्य प्राकट्य बैठक स्थल और चम्पेश्वर महादेव की पूजा अर्चना की और देशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी उनके साथ थे।

चंपारण में महाप्रभु वल्लभाचार्य आश्रम पहुंचने पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का परम्परागत् ढंग से स्वागत किया गया। इस मौके पर द्वारिकेश लाल महाराज द्वारा उन्हें महाप्रभु वल्लभाचार्य की प्रतिमा भेंट की गई। वल्लभाचार्य निधि ट्रस्ट की ओर से भी उनका स्वागत किया गया तथा हरीश बाबरिया और मोनल बाबरिया द्वारा उन्हें श्रीनाथ का चित्र भेंट किया गया।

छत्तीसगढ़ में महाप्रभु वल्लभाचार्य के जन्मस्थली चंपारण में देशभर से पुष्टिमार्ग के अनुयायी जुटते हैं। बनारस-दक्षिण प्रवास के दौरान वल्लभाचार्य की माता को प्रसव पीड़ा हुई और चंपारण में चम्पेश्वर महादेव मंदिर के निकट उन्होंने बालक को जन्म दिया। वल्लभाचार्य जी ने पुष्टि मार्ग का प्रवर्तन किया और देशभर में कृष्ण भक्ति की अलख जगाई।

भारत में हमेशा से उत्तर से दक्षिण भारत की ओर तथा दक्षिण भारत से उत्तर की ओर तीर्थ यात्रा की परंपरा रही है और यह तीर्थ यात्रा महानदी के बहुत से तीर्थ

स्थलों के निकट से गुजरती है। चंपारण की कहानी अपने आप में भारत की विशिष्ट सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है। उसके साथ ही यह महाप्रभु वल्लभाचार्य एवं भक्ति आंदोलन के आचार्यों की सुंदर परंपरा को भी दर्शाती है जिन्होंने सनातन परंपरा के मूल्यों को संजोया और कृष्ण भक्ति की अलख जगाई।

चौरासी वैष्णवों की वार्ता तथा वल्लभ दिग्विजय जैसे ग्रंथों में महाप्रभु के बचपन और उनकी सुंदर स्मृतियां दर्ज हैं। चंपारण, त्रिवेणी संगम राजिम के निकट है राजिम में भगवान श्री राजीव लोचन विराजित हैं। यह पदम क्षेत्र कहा जाता है। इस पद्म क्षेत्र के चारों ओर पंचकोसी परिक्रमा होती है। इस पंचकोसी परिक्रमा में श्रद्धालु हिस्सा लेते हुए चम्पेश्वर महादेव में जल अर्पित करते हैं।

इस मौके पर सर्व गुजराती समाज के अध्यक्ष प्रितेश गांधी पदीय, वल्लभाचार्य ट्रस्ट के अध्यक्ष चेतन अधिया, वल्लभाचार्य ट्रस्ट के सदस्य वल्लभ अधिया, गुजराती समाज के पदाधिकारी हरीश कुमार बाबरिया, पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू, अपैक्स बैंक पूर्व अध्यक्ष अशोक बजाज और चंपारण के सरपंच श्रीमती राधिका ध्रुव सहित अनेक जनप्रतिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

एससीईआरटी में अनोखा आयोजन

अधिकारी और प्राध्यापक बने छात्र

रायपुर।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) रायपुर में एक अनोखा दृश्य देखने को मिला जब संस्था के उच्च अधिकारी और सहायक प्राध्यापक विज्ञान और गणित विषयों के विशेषज्ञ कक्षा दसवीं के छात्र बने। जब उन्होंने अंतरिक्ष 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' पर विज्ञान कक्षा अटेंड की और जाना कि खगोल विज्ञान क्या है? 23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 चांद पर कैसे लैंड किया? जब भारत के चंद्रायन 3 को लैंड करते हुए फिर से देखा तो सभी भाव विभोर हो गए। सबके मुंह से एक ही आवाज निकली भारत माता की जय। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' पर छात्रों के साथ मिलकर खगोल विज्ञान की बारीकियों को समझना था।

कार्यक्रम की शुरुआत में एससीईआरटी के डायरेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा के निर्देशन में कक्षा 10 के संस्कृत पाठ्यक्रम पर आधारित वीडियो का प्रदर्शन किया गया, जिसमें डॉ. लुनेश वर्मा ने खगोल विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। इसके बाद, भारत सरकार और एनसीईआरटी द्वारा विकसित पोर्टल 'भारत ऑन द मून' का प्रदर्शन किया गया, जिसमें चंद्रयान-3 की लैंडिंग का वीडियो दिखाया गया। इस अवसर पर इसरो की गतिविधियों और पोर्टल पर उपलब्ध सामग्री की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम में उपस्थित एससीईआरटी के अतिरिक्त संचालक श्री जे.पी. रथ ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बताया और कहा कि इसरो की उपलब्धियों के पीछे हमारे गुरुओं का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने सभी विज्ञान और गणित के शिक्षकों को इस आयोजन के लिए बधाई दी।

साहित्यकार एवं शिक्षाविद डॉ. चितरंजन कर ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर चर्चा की और कहा कि हमारे पास समृद्ध ज्ञान है, जिसके लिए प्रयोगशालाओं की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने विज्ञान और साहित्य के आपसी संबंधों पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक श्री के.के. शुक्ला ने चंद्रयान-3 की लैंडिंग के महत्व पर प्रकाश डाला, जो चंद्रमा के 14 दिनों के उजाले में की गई थी। एससीईआरटी में यह आयोजन न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण था, बल्कि भारत की वैज्ञानिक उन्नति और खगोल विज्ञान के क्षेत्र में हमारी प्रगति को भी दर्शाता है।

इस आयोजन में राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के सहायक संचालक प्रशांत पांडेय, एससीईआरटी के संकाय सदस्य और सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण के लिए आए गणित और रसायन शास्त्र के 100 से अधिक विशेषज्ञ भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के 18 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के 18 जिलों में आज भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने 4 जिलों में ऑरेंज और 14 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। सरगुजा, बिलासपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग के जिलों में बारिश के आसार हैं। वहीं अगले 2 दिन 25 और 26 अगस्त को सरगुजा संभाग के जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है।

लगातार हो रही बारिश के चलते कोरबा जिले में सीतामढ़ी के निचली बस्तियों में बाढ़ का पानी घुस गया है। यहां तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से हसदेव नदी में बाढ़ आ गई है। दर्री बांध से भी पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे नदी किनारे बसी बस्तियों में बाढ़ आ गयी है। यहां से लोग अपने घर से निकलकर सुरक्षित स्थानों पर जा रहे हैं।

1 जून से 23 अगस्त तक 880 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है जो औसत से 3 प्रतिशत अधिक है। 6 जिलों में औसत से ज्यादा पानी बरसा है। 5 जिलों में कम बारिश हुई है।

बिलासपुर में भारी बारिश का अलर्ट

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अलग-अलग इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश होने का अनुमान है। इसके पहले शुक्रवार सुबह से लेकर दोपहर तक मौसम साफ रहा। चिपचिपी गर्मी और उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया।

रायगढ़ में गरज-चमक के साथ बरस सकते हैं बादल

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मौसम विभाग के मुताबिक आज गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। इसके पहले शुक्रवार को 36 घंटे बाद मौसम बदला और शाम करीब 7 बजे के बाद झमाझम बारिश हुई। साथ ही कुछ देर बाद गरज चमक भी हुई। रायपुर में आज गरज चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

तोते और संरक्षित पक्षियों को कैद में रखने एवं खरीद-बिक्री पर होगी जेल

महासमुंद।

तोते और अन्य संरक्षित पक्षियों को कैद में रखने, उनकी खरीदी-बिक्री या घर में पालन करने के खिलाफ सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 में संशोधन करते हुए मई 2022 में पक्षियों की कैद, खरीद-फरोख्त और पालन पर सख्त कदम उठाए हैं। इस अधिनियम के तहत किसी भी पक्षी, विशेष रूप से तोते और अन्य अनुसूचित पक्षियों को कैद में रखना एक दंडनीय अपराध माना गया है। अपराधियों के लिए तीन वर्ष तक की कारावास और जुर्माने का प्रावधान है।

सभी नागरिकों को सूचित किया गया है कि जिनके पास कोई भी संरक्षित पक्षी या वन्यजीव है, वे उन्हें तुरंत संबंधित अधिकारियों को सौंपें। इस कार्य के लिए अब्दुल वहीद खान उप वनमण्डलाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं, जिनका मोबाइल नंबर +91-98266-30266 है। इसके अलावा, पक्षियों को निकटतम सरकारी चिड़ियाघर में भी सौंपा जा सकता है। स्वस्थ पक्षियों को, जिन्हें उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा सकता है, तुरंत छोड़ने की सलाह दी गई है। पक्षियों और वन्यजीवों की खरीद-फरोख्त या घरेलू पालन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी को इस संबंध में जानकारी है, तो वह टोल फ्री नंबर 1800-233-7000 पर सूचित कर सकते हैं।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी 26 अगस्त को शुष्क दिवस घोषित

कवर्धा।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी जनमेजय महोबे ने जिले में संचालित सभी देशी मदिरा, विदेशी मदिरा दुकान, कम्पोजिट मदिरा दुकानों एवं मद्यभंडारण भाण्डागार तथा एफ.एल.3 (ग) पर्यटन बार को 26 अगस्त श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बंद रखने शुष्क अवधि घोषित किया गया है। जिले के समस्त देशी, विदेशी मदिरा दुकानों एवं भंडारण भाण्डागारों को जिले में संचालित सभी देशी मदिरा, विदेशी मदिरा दुकान, कम्पोजिट मदिरा दुकानों एवं मद्य भंडारण भाण्डागार तथा एफ.एल.3 (ग) पर्यटन बार मद्य भंडागार एवं मंदिर दुकानों को संलग्न अहातों को शुष्क दिवस पर पूर्णतः बंद रखें एवं शुष्क दिवस पर मदिरा का अवैध विक्रय, धारण एवं परिवहन नहीं हो सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू को लेकर अलर्ट, अब तक 6 मौतें

बिलासपुर/सरगुजा, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य संचालक ने वायरोलॉजी लैब को अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। ये वायरोलॉजी लैब कोरोना काल में खोले गए थे। प्रदेश में 15 दिनों में स्वाइन फ्लू से 6 मौतों की पुष्टि हो चुकी है। 40 से ज्यादा पीड़ित मिल चुके हैं। जबकि एक्टिव केस की संख्या 23 है।

स्वास्थ्य संचालक ने सभी मेडिकल कॉलेजों के डीन और CMHO को तत्काल प्रदेश के वायरोलॉजी लैबों में HvNv वायरस की जांच के लिए तैयार करने कहा है। जिन वायरोलॉजी लैब में टेक्निशियन नहीं हैं, वहां तत्काल टेक्निकल स्टाफ की भर्ती करने के भी निर्देश दिए हैं।

रायपुर समेत अन्य लैब में स्टॉफ नहीं

कोरोना की जांच के लिए साल 2020 में बनाए गए अधिकांश वायरोलॉजी लैब में टेक्निकल स्टॉफ और ष्ठश्वह्व की कमी है। इनमें रायपुर वायरोलॉजी लैब भी शामिल है। इन पदों पर संविदा भर्ती के भी निर्देश दिए गए हैं।

वायरोलॉजी लैब के लिए निर्देश

टेस्टिंग किट और केमिकल जो जांच के लिए आवश्यक हो, CGMSC से सप्लाई न होने पर NOC लेकर लोकर स्तर पर खरीदें।

मशीनरी की कमी से लैब से काम प्रभावित हो तो CGMSC से तत्काल संपर्क करें।

सिविल वर्क की जरूरत हो तो पूरा कराएं।

वायरोलॉजी स्टॉफ को समय-समय पर ट्रेनिंग दें। नई संक्रमण की स्थिति के लिए तैयार करें।

मंकी पॉक्स टेस्ट के लिए भी निर्देश

छत्तीसगढ़ में मंकी पॉक्स एक भी मरीज अब तक नहीं मिला है, लेकिन आगामी दिनों में मंकी पॉक्स फैलने की आशंका को देखते हुए मंकी पॉक्स जांच के लिए भी किट की व्यवस्था करने कहा गया है।

स्वाइन फ्लू से 15 दिन के अंदर 6 मौतें

9 अगस्त- कोरिया जिले की 51 साल की महिला की मौत।

10 अगस्त- जांजगीर-चांपा जिले की 66 साल की महिला।

11 अगस्त- बिलासपुर जिले की महिला की मौत।

13 अगस्त- राजनांदगांव में 4 साल की बच्ची।

20 अगस्त- मनेंद्रगढ़ में 41 साल का शख्स।

21 अगस्त- राजनांदगांव में 37 साल का युवक की मौत।

छत्तीसगढ़ में खरीफ 2024 हेतु डिजिटल फसल सर्वेक्षण के लिए महासमुंद सहित धमतरी, और कबीरधाम जिले का चयन

महासमुंद।

भारत सरकार कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में महासमुंद सहित धमतरी, और कबीरधाम जिलों को खरीफ 2024 हेतु डिजिटल फसल सर्वेक्षण के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित किया गया है। इस परियोजना के तहत, प्रत्येक ग्राम में खरीफ 2024 में लगाये गये फसलों का डिजिटल फसल सर्वेक्षण किया जाएगा। प्रत्येक जिले में डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य 9 सितंबर 2024 से प्रारंभ होकर 30 सितंबर 2024 तक पूरा किया जाएगा। इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा सभी कलेक्टरों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए है। पायलट प्रोजेक्ट डिजिटल तकनीक के माध्यम से कृषि क्षेत्र में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे फसल उत्पादन के आंकड़ों की सटीकता और पारदर्शिता बढ़ेगी।

संबंधित जिलों के कलेक्टरों को यह अधिकार दिया गया है कि यदि मुख्यालय तहसील से भिन्न किसी तहसील का चयन आवश्यक हो तो वह 25 अगस्त 2024 तक इसकी सूचना प्रदान करें। सर्वेक्षण कार्य में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों को 31 अगस्त 2024 तक प्रशिक्षण पूरा करना होगा। सर्वेक्षण कर्ताओं का चयन 30 अगस्त 2024 तक किया जाएगा और इन्हें 7 सितंबर 2024 तक अनिवार्य रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा।

सर्वेक्षण कार्य के लिए चयनित होने वाले कर्ताओं के लिए कुछ आवश्यक योग्यताएँ निर्धारित की गई हैं। प्रत्येक सर्वेक्षण कर्ता का 10वीं पास होना अनिवार्य है, जबकि कृषि स्नातक, विज्ञान स्नातक, विज्ञान से 12वीं पास, 12वीं पास, और 10वीं पास उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा, सर्वेक्षण कर्ताओं के पास एंड्रॉयड मोबाइल (वर्जन 9 या इससे अधिक) और इंटरनेट कनेक्टिविटी होनी चाहिए। चयनित कर्ताओं का संबंधित ग्राम का निवासी होना आवश्यक है। किसी ग्राम में पर्याप्त संख्या में योग्य उम्मीदवार न मिलने पर निकटवर्ती ग्राम के निवासी या कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि महाविद्यालय या उद्यानिकी महाविद्यालय के विद्यार्थियों को चयनित किया जा सकता है। प्रत्येक ग्राम में अधिकतम 20 सर्वेक्षणकर्ताओं का चयन किया जाएगा।

प्रत्येक सर्वेक्षण कर्ता को प्रति खसरा 10 रुपये का मानदेय प्रदान किया जाएगा, जो कि एप के माध्यम से सही सर्वेक्षण और डेटा अपलोड करने के बाद स्वीकृति पर आधारित होगा। यदि कोई भूस्वामी या कृषक स्वयं अपने खाते का सर्वेक्षण करता है, तो उसे इस कार्य के लिए कोई मानदेय नहीं दिया जाएगा।

सर्वेक्षण कर्ताओं का कार्य आवंटन तहसीलदार या उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिदिन किया जाएगा, जिसमें पहले दिन 25 खसरों का सर्वेक्षण सौंपा जाएगा।सर्वेक्षण कार्य का पर्यवेक्षण संबंधित हल्का पटवारी द्वारा प्रतिदिन किया जाएगा, जबकि प्रविष्टियों का सत्यापन राजस्व निरीक्षक द्वारा दो दिनों के भीतर किया जाएगा। डिजिटल फसल सर्वेक्षण के सभी कार्यों की जाँच शीघ्र-अतिशीघ्र तहसीलदार या नायब तहसीलदार द्वारा की जाएगी।

सर्वेक्षण के कार्यों की सतत् समीक्षा तहसील स्तरीय और जिला स्तरीय समितियों द्वारा की जाएगी, जिनके गठन के निर्देश कार्यालय आयुक्त, भू-अभिलेख, छत्तीसगढ़ द्वारा दिए गए हैं। इसके अलावा, संबंधित जिला कलेक्टरों को समय-सीमा के भीतर सभी कार्यों का गुणवत्तापूर्ण संपादन सुनिश्चित करने और हर बुधवार को साप्ताहिक प्रगति की जानकारी विभाग को प्रेषित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

छत्तीसगढ़ में लाइब्रेरी सहित 4 कोचिंग सेंटर सील,कम्युनिटी अकादमी और सिद्धि विनायक कोचिंग सेंटर पर एक्शन

सुरक्षा, फायर-सेफ्टी और पार्किंग सुविधा नहीं

बिलासपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सुरक्षा, फायर सेफ्टी और भवन अनुज्ञा की नियम-शर्तों को दरकिनार कर कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी चलाया जा रहा था। चारों प्राइवेट संस्थानों को जिला प्रशासन और नगर निगम ने सील कर दिया है। संस्थानों में बिना सुरक्षा के बंद कमरे में एक साथ 100 से ज्यादा बच्चों को पढ़ाया जा रहा है।

निगम ने सिद्धि विनायक कोचिंग, कॉम्पिटिशन लाइब्रेरी, कम्युनिटी अकादमी और ष्ठक्ककॉलेज के पास स्थित अकादमी भी शामिल है, जहां न तो बच्चों की सुरक्षा के लिए कोई व्यवस्था मिली और न ही फायर सेफ्टी फीचर पाया गया।

शहर में 36 से ज्यादा बड़े कोचिंग सेंटर संचालित हैं, जो सीधे रूप से कोचिंग के नाम पर छात्र-छात्राओं से मोटी फीस वसूल कर कमाई कर रहे हैं। इस संस्थान के संचालकों और प्रबंधन को बच्चों की सुरक्षा का कोई ध्यान नहीं है।

शुक्रवार की शाम एसडीएम पीयूष तिवारी और नगर निगम के अपर आयुक्त खंजाची कुम्हार के नेतृत्व में जिला प्रशासन और अतिक्रमण विरोधी दस्ता की टीम ने कोचिंग सेंटरों की जांच की। नियमों का पालन नहीं करने वाले संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की। जांच के दौरान कई तरह की खामियां पाई गई।

इस दौरान पता चला कि संस्थान में हादसा होने की स्थिति में निकलने के लिए केवल एक दरवाजा है। इन सेंटरों में फायर सेफ्टी सिस्टम भी नहीं मिला। यहां तक कि सुरक्षा का भी इंतजाम नहीं मिला। साथ ही पार्किंग तक की व्यवस्था नहीं थी।

खामियां देखकर एसडीएम भड़के

एसडीएम पीयूष तिवारी टीम के साथ जब गांधी चौक के पास सिद्धि विनायक कोचिंग सेंटर पहुंचे और देखा कि एक बड़े हाल में लगभग 100 बच्चे को कोचिंग सेंटर चल रहा है, जहां पूरा हाल बंद मिला।

अब ड्रोन से होगा नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का छिड़काव

जब पाली ब्लाक के डोंगानाला में ड्रोन पहुंचा तो कौतुहलवश लोग बड़ी संख्या में देखने पहुंचे

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

खेती को उन्नत और सरल बनाने के लिए लगातार सरकार एवं कृषि वैज्ञानिक काम कर रहे हैं और पिछले 15 से 20 सालों में जहाँ फसल का उत्पादन बढ़ा है, वहीं किसानों को आधुनिक यंत्र और आधुनिक पद्धति से खेती करने में आसानी हो रही है। इसी कड़ी में किसानों को एक बड़ी राहत इंडियन फर्टीलाइजर को आपरेटिव लिमिटेड (इफको) ने दी है, जब बहुत कम लागत में ड्रोन के माध्यम से नेनो डी ए पी, नैनो यूरिया एवं अन्य कीटनाशकों का छिड़काव खेतों में किया जायेगा। जिससे किसानों को कम पैसे, बहुत कम मेहनत में खेतों में दवाई के छिड़काव से मुक्ति मिलने जा रही है। इफको कम्पनी ने नगर के प्रगतिशील किसान, कृषि दवाईयों के विक्रेता और ड्रोन पायलेटिंग की योग्यता रखने वाले प्रगतिशील किसान रामफल पटेल को चुना है। पूरे स्वदेशी तकनीक से निर्मित इस ड्रोन को हैदराबाद की कम्पनी ने तैयार किया है। 20 दिनों तक ग्वालियर में ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण ले चुके रामफल पटेल ने बताया की 16 लाख की लागत से मिलने वाले इस ड्रोन के साथ बैटरी चलित गाड़ी, अतिरिक्त बैटरी और ड्रोन उपलब्ध कराया गया है। मात्र पांच से सात मिनट में एक एकड़ में दवाई का छिड़काव किया जाता है। इस ड्रोन में एक बार में 30 किलो तक का वजन उठाया जा सकता है और दिन भर में 25 से 30 एकड़ जमीन में दवाई का छिड़काव आसानी से किया जा सकता है। इस ड्रोन की खासियत बताते हुए रामफल पटेल ने आगे बताया-यह ड्रोन स्वदेशी एडवांस तकनीक से लैस है । इसे आटोमेटीक मोड में डालकर भी दवाई का छिड़काव किया जा सकता है। इसमें अत्याधुनिक सेंसर लगे हैं, जिससे ये किसी भी वस्तु से टकरा नहीं सकता, साथ ही ये जीपीएस से लैस है, जिससे इसका किसी भी प्रकार से गलत उपयोग नहीं हो सकता। वहीं इस ड्रोन से खेत का मैप भी तैयार किया जा सकता। साथ ही इसमें उच्च दर्जे का कैमरा भी लगा हुआ है, जिससे खेत के रोगों या अन्य परेशानी को बड़ी आसानी से देखा जा सकता है। इसके साथ ही कीटनाशक या खादों का छिड़काव सामान्य विधि की तुलना में ड्रोन द्वारा 5 गुणा तेजी से होता है एवं इस तकनीक द्वारा पोषक तत्वों, कीटनाशकों का सीधे फसलों की पत्तियों पर छिड़काव किया जाता है। जिससे मृदा को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। इस तकनीक द्वारा 60 से 80 प्रतिशत कम पानी की आवश्यकता होती है। इफको कम्पनी से शासन से सम्बद्ध कम्पनी है, जिसकी मंशा है कि यूरिया नैनो और डीएपी नैनो जो तरल होता है, जिसका कम लागत में उच्च गुणवत्ता के साथ खेतों में उपयोग कराना है, ताकि किसानों को यूरिया डीएपी जैसी खादों के लिए निर्भरता को कम किया जा सके। ये खाद विदेशों से आयात किया जाता है, जिससे विदेशी मुद्रा का व्यय होता है और तमाम तरह की परेशानियों के साथ ये किसानों तक पहुंच पाती है। जिसका तोड़ भारत के वैज्ञानिकों नेनो डीएपी और नेनो यूरिया के रूप में निकाला है, जिसकी आधा लीटर की मात्रा एक एकड़ के लिए पर्याप्त होता है और इसकी कीमत भी कम रहती है। श्री पटेल ने बताया ये खाद से ज्यादा अच्छे तरीके से काम करता है और ड्रोन के माध्यम से बड़ी आसानी से खेतों में इसका छिड़काव किया जा सकता है। ड्रोन के माध्यम से जीतने भी शासन के माध्यम से चलने वाले कृषि कार्य और उद्यानकी की फसलों में नेनो यूरिया, नेनो डीएपी एवं अन्य कीटनाशक का उपयोग किया जायेगा।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और हर्बल उत्पादों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए रामफल पटेल करीब एक दशक से लगे हुए हैं। उन्होंने हर्बल खेती के उत्पादों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए पाली बस स्टैंड में किसान उत्पाद केन्द्र के नाम से दुकान भी खोली है, जिससे लोगों में जागरूकता भी आ रही है। तात्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में रामफल पटेल को प्रगतिशील किसान का अवार्ड भी मिला था।

केन्द्र एवं राज्य सरकार ने हर्बल खेती को बढ़ावा देने के लिए रासायनिक खादों के उपयोग कम से कम करने की अपील की है, जिसका क्रियान्वयन निजी स्तर पर रामफल पटेल कर रहे हैं और हर्बल खेती के लिए 500 से अधिक किसानों को अपने संगठन में में जोड़कर उन्हें प्राकृतिक खेती के लिए जागरूक किया और ये सभी किसान गोबर का ही उपयोग कर धान की खेती कर रहे हैं और बेमतलब की दवाओं के उपयोग से रोक कर उनकी आर्थिक बचत कर रहे हैं। कोरबा जिले में प्रगतिशील किसान रामफल पटेल को ड्रोन चलाने का लाइसेन्स प्राप्त है । नैनो तकनीक से जहाँ किसानों को कम लागत में डीएपी और यूरिया का छिड़काव हो पायेगा, वहीं दवाई छिड़काव के लिए श्रम शक्ति की भी बचत होगी।

आईआईआईटी नया रायपुर एवं ट्रीवाड्र्स की हरित पहल

एक पेड़ मां के नाम अभियान : वृक्षारोपण कर नवागंतुकों का किया स्वागत

कोरबा/ रायपुर (दिव्य आकाश)।

आईआईआईटी नया रायपुर द्वारा ट्रीवाड्र्स फाउंडेशन के सहयोग से छात्रों के नए बैच का स्वागत एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पहल 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य युवाओं के बीच स्थिरता और पर्यावरण जागरूकता को प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम में छात्रों के नए बैच, संकाय सदस्यों और ट्रीवाड्र्स टीम ने भाग लिया, जिन्होंने वृक्षारोपण अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित करता है और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन 'एक पेड़ मां के नाम' के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो मां के नाम पर पेड़ लगाने पर जोर देता है।

ट्रीवाड्र्स फाउंडेशन के संस्थापक आनंद गोयल ने कार्यक्रम में प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, आईआईआईटी नया रायपुर ने अपने नए बैच का हरित स्वागत करके एक नया मानदंड स्थापित किया है। यह पहल न केवल छात्रों के लिए शैक्षणिक यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है, बल्कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी पैदा करती है। इतनी बड़ी संख्या में छात्रों और शिक्षकों की भागीदारी स्थायी भविष्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

वृक्षारोपण अभियान ट्रीवाड्र्स फाउंडेशन के अपने अभिनव ट्रीवाड्र्स कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। यह पहल व्यक्तियों और संगठनों को विभिन्न गतिविधियों में शामिल होते हुए पेड़ लगाने की अनुमति देती है, जिससे कार्बन तटस्थता और पर्यावरण संरक्षण में योगदान मिलता है।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान धरतीमाता एवं स्वयं की माता के प्रति एक असीम लगाव का प्रतीक है, जो लोगों को अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है, जो मां और पेड़ दोनों के पोषण और जीवनदायी भूमिका का प्रतीक है। इस अभियान ने महत्वपूर्ण लोकप्रियता हासिल की है, जिससे देश भर के समुदायों को वृक्षारोपण गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरणा मिली है।

इस अभियान में आईआईआईटी नया रायपुर की भागीदारी हरित वातावरण को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। वृक्षारोपण अभियान छात्र समुदाय के लिए एक शक्तिशाली संदेश के रूप में कार्य करता है, जो पारिस्थितिक संतुलन के महत्व और इसे प्राप्त करने में व्यक्तियों की भूमिका पर जोर देता है।

सांसद ज्योत्सना महंत का 7 दिवसीय कोरबा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कार्यक्रम

कोरबा (दिव्य आकाश) ।

कोरबा लोकसभा क्षेत्र से लगातार दूसरी बार निर्वाचित सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत कोरबा जिले के चारों विधानसभा क्षेत्र कोरबा, कटघोरा, रामपुर, पाली-तानाखार क्षेत्र के दौरे पर पहुंचीं हैं। सांसद 24 से 28 अगस्त तक ग्रामीण क्षेत्रों के दौरे पर रहेंगी व विभिन्न कार्यक्रमों सहित अनेक आयोजनों में शामिल होंगी। सांसद ज्योत्सना महंत 24 अगस्त को कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन में शामिल होने के उपरांत कोरबा पश्चिम दर्री-जमनीपाली क्षेत्र में सरदार वल्लभ भाई पटेल नगर, एचटीपीएस व अयोध्यापुरी क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। 25 अगस्त को कटघोरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खैरभवना व रामपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम तरदा, कनकी, रलिया, हरदीबाजार सहित अनेक ग्रामों का दौरा करेंगी। 26 अगस्त को पाली-तानाखार विधानसभा क्षेत्रांतर्गत पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के ग्रामों में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगी। इसी दिन शाम 7 बजे श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समिति पुरानी बस्ती कोरबा द्वारा आयोजित भव्य शोभायात्रा में शामिल होंगी। 27 अगस्त को रामपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गोढ़ी, तिलकेजा, तुमान, लबेद सहित दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में सांसद ग्रामीणों से रूबरू होंगी। 28 अगस्त को कटघोरा विधानसभा के ग्राम ढपढप, कसरेंगा में सामुदायिक भवन का उद्घाटन व ढेलवाडीह, सिंघाली और कटघोरा में ग्रामीणों व कांग्रेसजनों से मुलाकात करेंगी।

संतानों की दीर्घायु के लिए माताओं ने रखा खमरछठ का उपवास,जगह-जगह पूजा

कोरबा (दिव्य आकाश) ।

24 अगस्त को खमरछठ की जगह-जगह पूजा की गई। महिलाएं व्रत रखकर संतान सुख एवं संतान की दीर्घायु के लिए उपवास रखना और जगह-जगह सामुहिक रूप से महिलाएं पूजा अर्चना की। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी क्षेत्रों में भी हलषष्ठी पूजा की धूम रही। इस दिन व्रती महिलाएं पसहर चावल, छह प्रकार की भाजी, भैंस की घी, दूध, दही आदि का भोग चढ़ाते हैं और उसी का प्रसाद लेते हैं। कई विवाहित महिलाएं पुत्र प्राप्ति की कामना के लिए भी उपवास रखते हैं और हलषष्ठी माता मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। इस पूजन को सामूहिक रूप से की जाती है और ब्राम्हणों द्वारा पूजा मंत्रोच्चार के साथ पूर्ण करायी जाती है। शाम को व्रती महिलाएं प्रसाद ग्रहण कर उपवास तोड़ती हैं। इस व्रत को व्रती महिलाएं निर्जला उपवास रख कर अपनी संतानों की दीर्घायु की कामना के साथ उनकी खुशहाली, समृद्धि की भी कामना करते हैं और इसी कामना को लेकर भगवान बलराम की पूजा अर्चना करते हैं। बलराम, कृष्ण के अग्रज हैं और दो दिन बाद भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव आता है।

खमरछठ पूजा से संतान प्राप्ति

श्रीमती मधुलता-भोजराम राजवाड़े के निवास स्थान पर बड़ी संख्या में पूजा करने व्रती महिलाएं पहुंची, जिसमें अग्रवाल समाज की महिलाएं भी हर साल पूजा करती हैं। भोजराम राजवाड़े ने बताया कि मीना अग्रवाल की पुत्रवधू को खमरछठ पूजा से संतान प्राप्ति हुई, तब से ये अग्रवाल परिवार खमरछठ का उपवास करती हैं। इस पूजा में मधुलता राजवाड़े, रश्मि श्रीवास, प्रभाशिंदे, कल्पना अरोरा और मीना अग्रवाल तथा उनकी बहुएं सहित बड़ी संख्या में व्रती महिलाएं उपस्थित रहीं।

निहाल सोनी एबीवीपी के नगर मंत्री बने

कोरबा (दिव्य आकाश) । अखिल भारतीय विधार्थी परिषद जिला - कोरबा कोरबा नगर इकाई की नवीन कार्यकारिणी घोषित हुई, जिसमें निहाल सोनी को नगर मंत्री बनाया गया। नगर सह मंत्री-विधि मिश्रा, प्रवीण साहू, श्रेया बहल, भूमि चंद्रा, गोविंद पटेल, नगर कोषाध्यक्ष प्रखर शर्मा, सह कोषाध्यक्ष अविनाश प्रजापति, सोशल मीडिया प्रमुख आशीष गोस्वामी का दायित्व दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आरएसएस जिला कार्यवाह कैलाश नाहक, रायगढ़ विभाग संगठन मंत्री सुरजीत सिंह बघेल , रायगढ़ विभाग छात्रा प्रमुख नेहा साहू , प्रांत जनजाति प्रमुख श्याम ध्रुव , कोरबा जिला संयोजक आयुष शर्मा , कोरबा जिला विस्तारक प्रदीप साहू उपस्थित रहे ।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर राजवाड़े द्वारा आकाश आफसेट टीपी नगर कोरबा से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com